हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 81 बेमेतरा, शुक्रवार 06 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

सीएम साय ने स्वर्गीय विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित रहा गुरुजी का जीवन



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दुर्ग जिले के भिलाई-3 स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अहिवारा के दिवंगत विधायक स्वर्गीय डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने अहिवारा स्थित शासकीय महाविद्यालय का नामकरण स्वर्गीय डोमन लाल कोर्सेवाड़ा के नाम पर करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा का निधन छत्तीसगढ़ के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। वे एक सरल, सहज, मृदुभाषी और मिलनसार जनप्रतिनिधि थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज की सेवा और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। विशेष रूप से अनुसूचित जाति समाज के विकास, सामाजिक सशक्तीकरण और क्षेत्र की प्रगति में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा को लोग आत्मीयता के साथ 'गुरुजी' कहकर संबोधित करते थे। यह संबोधन उनके प्रति समाज के गहरे सम्मान और विश्वास का प्रतीक था। उन्होंने अपने व्यवहार और कार्यों से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया था। जनसेवा के प्रति उनकी निष्ठा और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री साय ने स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा के साथ जुड़े आत्मीय प्रसंगों को साझा करते हुए बताया कि जब वे उपचार के लिए हैदराबाद में भर्ती थे, तब उन्होंने स्वयं फोन कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। साथ ही प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को भी हैदराबाद जाकर उनका हाल-चाल जानने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके स्वस्थ होकर लौटने की हम सभी को आशा थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनका जाना हम सभी के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वर्गीय कोर्सेवाड़ा ने जनप्रतिनिधि के रूप में सदैव क्षेत्र के विकास और आमजन की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी। उनकी स्मृतियों और जनसेवा की विरासत को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए अहिवारा के शासकीय महाविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किया जाएगा। यह उनके प्रति प्रदेश सरकार और क्षेत्र की जनता की ओर से सम्मानपूर्ण श्रद्धांजलि होगी।

देश का मेट्रो नेटवर्क 2014 से लगभग पांच गुना बढ़ा

26 शहरों में 1,200 किलोमीटर तक पहुंचा : प्रधानमंत्री मोदी



नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को 2014 के बाद देश में मेट्रो रेल नेटवर्क के तेजी से विस्तार को रेखांकित करते हुए कहा कि मेट्रो का परिचालन नेटवर्क पांच शहरों में 248 किलोमीटर से बढ़कर 26 शहरों में लगभग 1,200 किलोमीटर हो गया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो सेवाओं का हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्री इस्तेमाल कर रहे हैं।

मोदी ने शहरी सार्वजनिक परिवहन में आए बदलाव को रेखांकित करते हुए ने सोशल मीडिया एक्स कहा कि 2014 से पहले मेट्रो नेटवर्क के विस्तार की गति जारी रहती तो पुणे सहित कई शहरों को मेट्रो की सुविधा के लिए वर्षों, बल्कि दशकों तक इंतजार करना पड़ता। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास की गति पर सवाल उठाते हुए कहा, मैं आपसे पूछना चाहता हूं... अगर भारत का मेट्रो नेटवर्क 2014 से पहले जिस गति से बढ़ रहा था, उसी गति से आगे बढ़ता रहता तो पुणे जैसे शहरों को मेट्रो मिलने में कितना इंतजार करना पड़ता? साल... नहीं... शायद दशकों और यह अस्वीकार्य था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में भारत के पांच शहरों में केवल 248 किलोमीटर मेट्रो लाइनें चालू थीं, जबकि इसके बाद नेटवर्क का विस्तार 26 शहरों में लगभग 1,200 किलोमीटर तक हो गया है। उन्होंने बताया कि मेट्रो में प्रतिदिन यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या भी एक करोड़ से अधिक हो गयी है। यह शहरी यात्रियों के बीच सार्वजनिक परिवहन के इस साधन पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेट्रो नेटवर्क का विस्तार केवल रेलवे लाइनों की लंबाई बढ़ाने या यात्रियों की संख्या में वृद्धि करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य शहरों में लोगों के रोजमर्रा के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना भी है। उन्होंने कहा, इसका मतलब है यातायात में कम समय बिताना, परिवार के साथ अधिक समय बिताना, उत्पादकता बढ़ाना और बेहतर अवसर मिलना।

भारत में तेजी से बढ़ते शहरों में यातायात की बढ़ती भीड़, यात्रा में लगने वाले अधिक समय और भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन की बढ़ती मांग के बीच मेट्रो रेल शहरी परिवहन रणनीति का एक प्रमुख हिस्सा बनकर उभरी है। दिल्ली उन शुरुआती शहरों में शामिल थी, जहां व्यापक मेट्रो नेटवर्क विकसित किया गया था। हालांकि, पिछले एक दशक में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार कई अन्य शहरों तक भी हुआ है। इनमें पुणे और कई ऐसे शहर शामिल हैं, जहां पहले मेट्रो की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार के साथ ही इसे व्यापक शहरी परिवहन व्यवस्था से जोड़ने के प्रयास भी किए गए हैं। इसका उद्देश्य यात्रियों को निजी वाहनों के मुकाबले तेज और अधिक भरोसेमंद परिवहन विकल्प उपलब्ध कराना है। मेट्रो में यात्रियों की बढ़ती संख्या इस बात को दर्शाती है कि तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रही भारत की आबादी की परिवहन जरूरतों को पूरा करने में सार्वजनिक परिवहन की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मोदी की टिप्पणियों का उद्देश्य मेट्रो कनेक्टिविटी के विस्तार को उनकी सरकार के व्यापक विकास दृष्टिकोण से जोड़ना था।

पात्रा ने राहुल गांधी को संसद में मोदी के साथ बहस करने की दी चुनौती



बेंगलुरु। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे बिना किसी तथ्य या ठोस तर्क के केवल राजनीतिक नौटंकी करते हैं। उन्होंनेगांधी को संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बहस करने की चुनौती पेश की। पात्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के साथ बहस करने की गांधी की मांग पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नेताओं के बीच राजनीतिक चर्चा सार्वजनिक प्रदर्शनों या सड़कों पर टकराव की बजाय संसद के भीतर होनी चाहिए। पात्रा ने कहा, कल गांधी प्रधानमंत्री के साथ बहस करना चाहते थे। 24 साल हो गए हैं। एक तरफ प्रधानमंत्री बैठेंगे और दूसरी तरफ वे (राहुल) बैठेंगे। गांधी के पास किसी भी चीज़ के बारे में कोई डेटा नहीं है। उन्हें देश में चल रही ज़्यादातर प्रक्रियाओं की कोई जानकारी नहीं है। लेकिन जहां तक 'गलत' (गड़बड़ी/अफवाहें) फैलाने की बात है, तो वे नंबर वन हैं। उन्होंने सवाल किया, क्या नेताओं के बीच बहस सड़कों पर होनी चाहिए या लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर यानी संसद के भीतर? क्या तू-तू मैं-मैं सड़कों पर होनी चाहिए, या संसद में?

हरदीप सिंह पुरी मध्यप्रदेश से निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित



भोपाल। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। नाम वापसी की समय-सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी उमेश कुमार शर्मा ने उनके निर्वाचन की औपचारिक घोषणा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को निर्वाचन प्रमाणपत्र सौंपा। पुरी के नामांकन पत्र पर कांग्रेस ने 100 से अधिक कमियां होने का दावा करते हुए आपत्तियां दर्ज कराई थीं। कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और निर्दलीय प्रत्याशियों ने शपथपत्र में पत्नी के नाम का उल्लेख नहीं होने, विदेशी संपत्तियों और बैंक खातों का विवरण देने के तरीके तथा नोटरी सत्यापन की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे।

योगी का कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर हमला, बोले- लोकतंत्र को अराजकता और अस्थिरता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता लगातार उन्हें नकार रही है, इसके बावजूद विपक्षी दल भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मर्यादाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित देश की राष्ट्रीय शक्ति है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी ही सबसे बड़ी ताकत है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मर्यादाओं के सम्मान और जनादेश की सर्वोच्चता का संदेश लेकर वह आज गाजियाबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और देश के लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

झीरम घाटी जांच आयोग विवाद : नए आयोग के गठन पर रोक बरकरार, 21 दिसंबर को हाईकोर्ट में होगी अंतिम सुनवाई



बिलासपुर। झीरम घाटी मामले की जांच के लिए दूसरे आयोग के गठन पर रोक लगाने की मांग करते हुए विधायक धरमलाल कौशिक की याचिका पर 21 दिसंबर को अंतिम सुनवाई तय की गई है। मई 2022 में हाईकोर्ट ने नए जांच आयोग के कार्य पर रोक लगा दी थी। यह स्टे अभी भी जारी है। बता दें कि तत्कालीन छत्तीसगढ़ सरकार ने 2021 में जस्टिस प्रशांत मिश्रा को आंध्रप्रदेश के चीफ जस्टिस बनाने के कारण उत्पन्न हुई परिस्थिति में दो रिटायर्ड हाईकोर्ट जज का जांच आयोग बनाया था। जस्टिस मिश्रा जांच आयोग ने राज्यपाल के सम्मुख रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा उसे स्वीकार न करने के बाद जस्टिस सतीश अग्निहोत्री और जस्टिस मिनहाजुद्दीन दोनों रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का पुनर्गठन किया गया था। नया जांच आयोग कोई जांच कर पाता, इसके पहले ही भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने इसे हाईकोर्ट में इस आधार पर चुनौती दी कि पहला जांच आयोग अपनी जांच पूरी कर चुका है इसलिए नए आयोग की आवश्यकता नहीं है। मामले में एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने हस्तक्षेप याचिका दायर की थी, जिसमें यह कहा गया था कि राज्य सरकार को आयोग में कोई रिक्ति होने या नए जांच बिंदु होने पर नया आयोग बनाने का पूर्ण अधिकार है। चीफ जस्टिस कृष्णाराम महापात्र, जस्टिस संतोष शर्मा की बेंच में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील ना होने के आधार पर सुनवाई स्थगित करने की मांग की गई। हस्तक्षेप याचिकाकर्ताओं की ओर से उपस्थित अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने खंडपीठ को बताया कि नया जांच आयोग अलग ही जांच बिंदुओं पर जांच करने के लिए बनाया गया है, जो पहले की जांच बिंदु में शामिल नहीं है।

रामगोपाल और अरुणपति त्रिपाठी को राहत, हाईकोर्ट से मिली जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल और मैनपावर घोटाले में आबकारी विभाग के पूर्व एमडी रहे अरुणपति त्रिपाठी को राहत मिली है। दोनों को बिलासपुर हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। बता दें कि रामगोपाल अग्रवाल को शराब घोटाला मामला में जमानत मिली है। कोल और चावल घोटाले में अभी उन्हें जेल में ही रहना पड़ेगा। वहीं मैनपावर घोटाला मामले में अरुणपति त्रिपाठी रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। 95 दिन बाद उन्हें जमानत मिली है।

उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को चक्रवात से प्रभावित उम्मीदवारों लिए विशेष परीक्षा की संभावना तलाशने के निर्देश दिये



भुवनेश्वर। ओडिशा उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और ओडिशा लोक सेवा आयोग (ओपीएससी) को चक्रवात और उसके बाद आई बाढ़ के कारण ओडिशा सिविल सेवा (ओसीएस) की मुख्य परीक्षा 2025 में शामिल नहीं हो पाने वाले योग्य उम्मीदवारों के लिए एक विशेष परीक्षा आयोजित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिये है।

न्यायमूर्ति एस.के. पानीग्रही और न्यायमूर्ति मुरारी रमन की पीठ ने रश्मि नारायण पटनायक की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और ओपीएससी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। पीठ ने कहा कि एक बहुत बड़ी प्राकृतिक आपदा की वजह से प्रतियोगी परीक्षा में शामिल नहीं हो पाने वाले उम्मीदवारों की तुलना उन उम्मीदवारों से नहीं की जा सकती जो निजी वजहों या तैयारी की कमी की वजह से गैरहाजिर रहे।

अदालत ने कहा कि किसी भी राहत पर विचार करने से पहले पूरी स्थिति पता होनी चाहिए। अदालत ने मुख्य सचिव को एक शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें चक्रवात और बाढ़ से प्रभावित जिलों, रुकावट के समय, सड़क, रेल और दूसरी परिवहन सेवा पर असर और क्या किसी इलाके को आधिकारिक आपदा प्रभावित घोषित किया गया था, इसकी जानकारी हो। लोगों की आवाजाही में रुकावट पर जिला कलेक्टरों से मिली रिपोर्ट भी मांगी गई है।

त्योहारी सीजन ने यात्रियों की परेशानी बढ़ी

दिवाली-छठ पर झारखंड लौटना हुआ मुश्किल, राजधानी एक्सप्रेस में वेटिंग 226 के पार, हवाई किराया 23 हजार तक पहुंचा



रांची। दिवाली और छठ महापर्व पर झारखंड लौटने की तैयारी कर रहे नौकरीपेशा लोगों और छात्रों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

महानगरों से रांची आने और यहां से बिहार-उत्तर प्रदेश जाने वाली प्रमुख ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। कई ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 200 के पार पहुंच गई है, जबकि कुछ ट्रेनों में सीटें पूरी तरह फुल होने के कारण रिग्रेट की स्थिति बन गई है। ऐसे में यात्रियों को महंगे हवाई टिकट और बसों का सहारा लेना पड़ रहा है।

नई दिल्ली से रांची आने वाली 20840 राजधानी एक्सप्रेस में छह नवंबर को थर्ड एसी की वेटिंग 209 और सेकेंड एसी की 81 है। फर्स्ट एसी में रिग्रेट की स्थिति है। नौ नवंबर को भी थर्ड एसी में 122 और सेकेंड एसी में 53 वेटिंग है। वहीं, 12454 राजधानी एक्सप्रेस में सात नवंबर को थर्ड एसी की प्रतीक्षा सूची 226, सेकेंड एसी की 50 और फर्स्ट एसी की 21 है। 14 नवंबर को भी थर्ड एसी में 122 और सेकेंड एसी में 47 वेटिंग चल रही है।

आनंद विहार से हटिया आने वाली झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस में भी सीटों की भारी किल्लत है। ट्रेन संख्या 12874 में छह नवंबर को स्लीपर में रिग्रेट, थर्ड एसी में 64 और एसी थ्री इकोनॉमी में 116 वेटिंग है। वहीं, ट्रेन संख्या 12818 में सात नवंबर को स्लीपर की वेटिंग 107, थर्ड इकोनॉमी की 57 और थर्ड एसी की 101 है। संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में भी सात नवंबर को स्लीपर की वेटिंग 146, थर्ड इकोनॉमी की 66 और थर्ड एसी की 76 है। बेंगलुरु, मुंबई और पुणे से आने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों को राहत नहीं मिल रही है। बेंगलुरु-हटिया एक्सप्रेस में स्लीपर रिग्रेट है। मुंबई-हटिया एक्सप्रेस में आठ नवंबर को स्लीपर की वेटिंग 124 और थर्ड एसी की 88 है। पुणे-हटिया एक्सप्रेस में स्लीपर की वेटिंग 134 तक पहुंच गई है। ट्रेनों में टिकट नहीं मिलने के कारण विमान यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। इसका असर हवाई किराये पर भी दिख रहा है। चार से 14 नवंबर के बीच रांची आने वाली उड़ानों में भुवनेश्वर से किराया 23 हजार, पुणे से 20 हजार और दिल्ली से 15 हजार रुपये तक पहुंच गया है। ऐसे में आम यात्रियों के लिए विमान से सफर करना भी महंगा साबित हो रहा है। दिवाली और छठ के मद्देनजर रेलवे आधा दर्जन से अधिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन कर रहा है। इनमें गोरखपुर, झंझारपुर, प्रयागराज और दुर्ग सहित अन्य शहरों से चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश जाने वाले यात्रियों के लिए भी विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। हालांकि, यात्रियों की भारी भीड़ के मुकाबले ट्रेनों की संख्या कम पड़ रही है।

शेयर बाजारों में शुरुआती तेजी सेंसेक्स 1,700 अंक उछला



मुंबई। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,700 अंक उछल गया। सेंसेक्स 1,609 अंक की बढ़त में 78,910 अंक पर खुला और कुछ ही देर में करीब 1,700 अंक चढ़कर यह 79,001.19 अंक पर पहुंच गया।

खबर लिखे जाते समय यह 1,477.42 अंक (1.91 प्रतिशत) की मजबूती के साथ 78,778.82 अंक पर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 418 अंक की बढ़त में 24,378.05 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 424.35 अंक यानी 1.77 फीसदी ऊपर 24,384.95 अंक पर रहा। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा है और डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत हुई है। इससे अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन पार्टी अल्पमत में आ गई है। साथ ही, पश्चिम एशिया में भू-राजनैतिक स्थिति में सुधार की उम्मीद जगी है और कच्चा तेल बुधवार को 10 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया। इन सभी कारकों से पूरी दुनिया में शेयर बाजार में निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ है। घरेलू स्तर पर वृहत बाजार में भी सभी सूचकांक हरे निशान में रहे। रसायन को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांक भी फिलहाल ऊपर हैं। ऑटो, आईटी, वित्त, रियल्टी और सीमेंट सेक्टरों के सूचकांक दो से तीन प्रतिशत की बढ़त में हैं। बैंकिंग, मीडिया, धातु और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत चढ़े।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन 7 नवम्बर, शनिवार को बेमेतरा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में

गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाले लक्षणों की पहचान कर दी जाएगी विशेष सुविधा

मूक पत्रिका

बेमेतरा, 5 नवम्बर 2026 / स्वास्थ्य विभाग बेमेतरा द्वारा कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर, सीएमएचओ डॉ. शरद कोहाड़े एवं सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू के मार्गदर्शन में गर्भवती माताओं की प्रसव पूर्व जांच हेतु प्रतिमाह की 09 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का आयोजन जिले के समस्त शासकीय संस्थाओं में किया जाता है। माह नवम्बर की 9 तारीख को शासकीय अवकाश होने के कारण, शासन से प्राप्त दिशा-निर्देश अनुसार 7 नवम्बर, दिन शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का आयोजन बेमेतरा जिले के जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं चिन्हांकित उप स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित किया जाएगा।यह अभियान भारत सरकार का





एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम वाले लक्षणों की पहचान कर विशेषज्ञ तथा प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण संपूर्ण प्रबंधन सुनिश्चित करना है। जिससे उच्च जोखिम श्रेणी में आने वाली गर्भवती महिलाओं का समुचित प्रबंधन एवं सुनियोजित संदर्भन सुनिश्चित कर राज्य में मातृ मृत्यु अनुपात को कम किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) दिवस के सफल क्रियान्वयन हेतु राज्य स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से समस्त जिलों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।PMSMA दिवस के सुनियोजित आयोजन हेतु निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए सतत निरीक्षण व्यवस्था की गई है :-

1. शत-प्रतिशत उच्च जोखिम गर्भवती (HRP) महिलाओं की त्वरित पहचान, सोनोग्राफी सुविधाएं।
2. PMSMA फ्लो चार्ट अनुसार हितग्राही को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी।
3. विशेषज्ञ / निजी चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी।
4. गर्भवती महिलाओं को पोषण, संस्थागत प्रसव तथा खतरे के लक्षणों पर परामर्श।सीएमएचओ डॉ. शरद कोहाड़े एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू ने हितग्राहियों से अपील करते हुए कहा है कि जिला अस्पताल बेमेतरा के साथ समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निर्धारित तिथि 7 नवम्बर, दिन शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (PMSMA) का आयोजन किया जाएगा। हितग्राही उक्त अवसर पर पास के स्वास्थ्य केंद्र में इस अभियान में शामिल होकर स्वास्थ्य जांच परीक्षण अवश्य करवा लें और इस अभियान का लाभ अनिवार्य रूप से उठाकर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की दी शुभकामनाएं

मूक पत्रिका

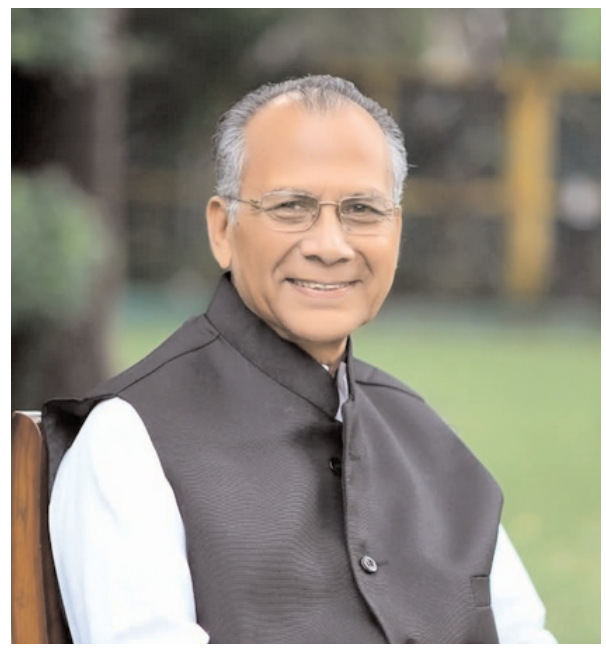

दुर्ग - पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने समस्त प्रदेशवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। इन सभी पुण्य त्योहारों के पावन अवसर पर श्री साहू ने प्रदेशवासियों के सुखी व खुशहाल जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना की है।

श्री साहू ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धनतेरस एवं दीपों का महापर्व दीपावली हमारी संस्कृति के जीवन मूल्यों का संवाहक है। यह पावन पर्व भारतीय समाज, देश सहित पूरे प्रदेश में सम्पन्नता एवं समृद्धि लाए, यही मेरी ईश्वर से कामना है। उन्होंने प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा और भाई दूज की भी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारे लोक जीवन से जुड़ा पर्व है। इस दिन गायों की पूजा कर खिचड़ी खिलाई जाती है और गोधन के रूप में अमूल्य चीजों की पूजा कर उनके प्रति श्रद्धा और आभार प्रकट किया जाता है। श्री साहू ने आगे कहा कि भाई-बहनों के अटूट विश्वास का प्रतीक पर्व भाईदूज हम सभी को परस्पर सम्मान, स्नेह, भरोसा और अपनेपन के साथ एक दूसरे के साथ रहने और खुशहाल जीवन व्यतीत करने की सीख देता है।

बेमेतरा में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक पेयजल योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

मूक पत्रिका



बेमेतरा। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बीते गुरुवार को कलेक्ट्रेट में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के मुख्य बिंदु -समूह जलप्रदाय योजना और व्यक्तिगत नल संयोजन धारक देयकों के भुगतान पर चर्चा की गई। साथ ही 08 सितंबर के बाद मिले बजट आबंटन और भुगतानों का अनुमोदन,एकल ग्राम नलजल योजनाओं के मेंटेनेंस और नियमित संचालन पर जोर,नल जल मित्रों को गांव में लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि हर घर तक शुद्ध और नियमित पेयजल पहुंचाना प्राथमिकता है। किसी भी गांव में पानी की सप्लाई बाधित न हो, इसके लिए सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला चिकित्सा एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, जल संसाधन विभाग से हिमांशु सोनकर, विद्युत मंडल से गुलाब राम साहू, कृषि विभाग, वन विभाग, क्रेडा, महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग1से कार्यपालन अभियंता जे.पी. गोंड सहित पूरी टीम उपस्थित थे।

'विष्णु के पाती' में मुख्यमंत्री ने की यशोदा मरकाम के आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना, बेटी काव्या के नाम पर संचालित कपड़ों की दुकान बनी परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार

मूक पत्रिका



बेमेतरा - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को भेजे जा रहे आत्मीय संदेश 'विष्णु के पाती' के माध्यम से ग्राम देवरबीजा की यशोदा मरकाम को उनके स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता के प्रयासों के लिए विशेष प्रोत्साहन मिला है। मुख्यमंत्री के पत्र में उनकी बेटी काव्या के नाम पर संचालित कपड़ों एवं मैचिंग की दुकान का उल्लेख किए जाने से यशोदा मरकाम बेहद खुश हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके छोटे से प्रयास को प्रदेश के मुखिया द्वारा पहचान और सराहना मिलना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। यशोदा मरकाम लखपति दीदी योजना से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। उनके परिवार द्वारा बेटी काव्या के नाम पर कपड़ों एवं मैचिंग की दुकान संचालित की जा रही है। इस दुकान के माध्यम से परिवार को आर्थिक मजबूती मिल रही है। सीमित संसाधनों के बीच स्वरोजगार को अपनाकर उन्होंने आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। उनका यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायक है कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर मेहनत और लगन से आर्थिक रूप से सशक्त बना जा सकता है।

यशोदा मरकाम ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज हमर छत्तीसगढ़ के मुखिया, हमर मुख्यमंत्री विष्णु भैया के ओर ले 'विष्णु के पाती' मोला प्राप्त होइस। ए पाती ला पढ़के मोर मन खुशी ले भर गे। मोर बेटी काव्या के नाम पर संचालित कपड़ा अउ मैचिंग के दुकान के बारे म मुख्यमंत्री के पत्र म उल्लेख अउ सराहना पढ़के बहुत अच्छा लागिस। हमन अपन मेहनत से स्वरोजगार के माध्यम ले परिवार ला आगे बढ़ाय के प्रयास करत हन। हमर ए छोटे से प्रयास ला मुख्यमंत्री द्वारा पहिचान मिलना मोर बर बहुत बड़े सम्मान अउ गर्व के बात हे।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जी का यह स्नेहिल पत्र उनके लिए केवल शुभकामना संदेश नहीं, बल्कि आगे और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा है।

इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने व्यवसाय को और आगे ले जाने के लिए प्रोत्साहित हुई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाएं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के अवसर प्रदान कर रही हैं।

अंत में यशोदा मरकाम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एवं दीपावली पर्व की गाड़ा-गाड़ा बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रबंधक को हटाना कार्रवाई नहीं, किसानों की राशि का हिसाब कौन देगा? कचनार लैम्प्स में जांच के बाद भी सबसे बड़ा सवाल बरकरार

कार्यालय में ताला, बंद प्रबंधक का मोबाइल स्विच ऑफ, 12 बिंदुओं पर जांच के निर्देश के बीच किसानों के केसीसी खातों से कथित निकासी का मामला गंभीर। आखिर जिम्मेदार कौन और किसानों को न्याय कब मिलेगा?

मूक पत्रिका



पवन कुमार नाग -बस्तर। जिला सहकारी समिति मर्यादित शाखा कचनार में किसानों के केसीसी किसान क्रेडिट कार्ड) खातों से कथित अनधिकृत राशि निकासी, फर्जी हस्ताक्षरों के माध्यम से खाद का आहरण और समिति के वित्तीय संचालन में अनियमितताओं का मामला अब केवल शिकायतों तक सीमित नहीं रह गया है। लगातार समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित होने और किसानों की शिकायतों के बाद आखिरकार सहकारिता विभाग ने जांच टीम गठित कर 12 बिंदुओं पर जांच के निर्देश जारी किए। लेकिन जांच की प्रक्रिया ने ही कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए। निर्धारित तिथि 3 नवंबर 2026 को जब जांच टीम कचनार लैम्प्स पहुंची, तो कार्यालय में ताला लटका मिला। वहीं, समिति प्रबंधक का मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ बताया गया। दूसरी ओर, शिकायतकर्ता किसान जांच के दौरान उपस्थित रहे। ऐसे में सवाल उठता है कि जब किसान अपनी शिकायतों का जवाब पाने के लिए मौजूद थे, तो संबंधित कार्यालय बंद क्यों था और जिम्मेदार पक्ष जांच के समय उपलब्ध क्यों नहीं था?

12 बिंदुओं पर जांच के निर्देश, लेकिन जांच की शुरुआत में ही सवाल-

कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जगदलपुर द्वारा 2 नवंबर 2026 को जारी पत्र में शिकायतों के 12 बिंदुओं पर जांच एवं निराकरण के लिए संबंधित पक्षों को 3 नवंबर को सुबह 11 बजे लैम्प्स कचनार में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे।

इस दीपावली स्वदेशी उत्पादों से रोशन करें घर-आंगन, स्थानीय कारीगरों को दें प्रोत्साहन : विधायक ललित चंद्राकर

मूक पत्रिका



दुर्ग - दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने प्रदेशवासियों से इस दीपावली स्वदेशी दिवाली मनाने और स्थानीय बाजारों से खरीदारी कर छत्तीसगढ़ के कारीगरों, शिल्पकारों एवं छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहित करने की अपील की।उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, उमंग और उत्साह का पर्व है। यह त्योहार केवल घरों को रोशन करने का ही नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के जीवन में खुशियों का उजाला लाने का अवसर भी है।विधायक चंद्राकर ने कहा कि दीपावली की खरीदारी करते समय विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, महिला स्व-सहायता समूहों एवं लघु उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें। मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी सामग्री, पारंपरिक कलाकृतियां, खादी वस्त्र एवं ग्रामोद्योग के उत्पाद खरीदकर स्थानीय हुनर, परंपरा और मेहनत को सम्मान दें।उन्होंने कहा कि स्थानीय बाजार किसी भी शहर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला होता है। जब हम अपने शहर के बाजारों से खरीदारी करते हैं, तो इसका सीधा लाभ स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यापारियों, फुटकर विक्रेताओं, कारीगरों और उनके परिवारों तक पहुंचता है। त्योहारों के दौरान स्थानीय बाजारों में होने वाली खरीदारी से व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। इसलिए हमारी छोटी-सी खरीदारी भी किसी कारीगर के घर में खुशियां ला सकती है और किसी छोटे व्यापारी के व्यवसाय को नई ऊर्जा दे विधायक चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ÷वोकल फॉर लोकल÷ और ÷आत्मनिर्भर भारत÷ के संकल्प को हमें इस दीपावली अपने आचरण में उतारना है। स्वदेशी अपनाना केवल खरीदारी नहीं, बल्कि अपने देश, अपनी मिट्टी और अपने लोगों के प्रति सम्मान है।

धार्मिक झांकियों, आकर्षक कलाकृतियों और छत्तीसगढ़ी लोकनृत्यों ने मोहा मन, पालकगणों की उपस्थिति में हर्षोल्लास से मना दीपोत्सव

डी.ए.वी. जांता, नन्हे कलाकारों ने जीवंत की भारतीय संस्कृति की झलक,दीपों की जगमगाहट में सजा

मूक पत्रिका





बेमेतरा। बेमेतरा जिले के जांता स्थित डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में दीपावली के पावन अवसर पर दीपोत्सव का भव्य एवं रंगारंग आयोजन हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ किया गया। पूरा विद्यालय परिसर दीपों की जगमगाहट, आकर्षक सजावट, मनमोहक रंगोलियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जगमगा उठा। इस विशेष अवसर पर पालकगण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और नन्हे-मुन्ने बच्चों की अद्भुत प्रतिभा एवं मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, संस्कारों एवं परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से विद्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर विभिन्न रचनात्मक, कलात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ओम मंत्र, गायत्री मंत्र एवं डी.ए.वी. गान के साथ दीप प्रज्वलन कर किया गया। दीपोत्सव के अंतर्गत रंगोली प्रतियोगिता, बैनर एवं पोस्टर निर्माण, पेंटिंग, ग्रीटिंग कार्ड निर्माण, दीया एवं थाली सजावट, तोरण सजावट, कक्षा सजावट तथा हाउस बोर्ड डेकोरेशन जैसी अनेक गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता, कलात्मक कौशल और रचनात्मक सोच का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय परिसर में सजी आकर्षक रंगोलियों और सुंदर कलाकृतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का सबसे मनमोहक एवं आकर्षक केंद्र नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई धार्मिक एवं पौराणिक झांकियां रहीं। बच्चे भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी, मां लक्ष्मी तथा भगवान शिव एवं माता पार्वती सहित विभिन्न देवी-देवताओं के मनमोहक स्वरूपों में सजे नजर आए। बच्चों की मासूम अदाओं और सुंदर वेशभूषा ने उपस्थित पालकगणों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं 'राम आएंगे' की भावपूर्ण प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति की अनुपम छटा भी देखने को मिली। सुवा नृत्य, राउत नाचा एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न पारंपरिक लोकगीतों पर विद्यार्थियों ने शानदार सामूहिक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। नन्हे-मुन्ने बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। प्रत्येक प्रस्तुति में बच्चों का उत्साह, आत्मविश्वास और उनकी मेहनत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। इस भव्य आयोजन में पालकगणों ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई तथा बच्चों की प्रतिभा और विद्यालय की रचनात्मक गतिविधियों की सराहना की। बच्चों की प्रस्तुतियों ने यह साबित कर दिया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि कला, संस्कृति, संस्कार और व्यवहारिक गतिविधियां भी व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण आधार हैं। दीपोत्सव के माध्यम से विद्यालय परिवार ने प्रेम, सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता का संदेश दिया। जिस प्रकार एक दीपक दूसरे दीपक को प्रज्वलित कर स्वयं की रोशनी कम नहीं करता, बल्कि प्रकाश को और अधिक बढ़ाता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को अपने ज्ञान, संस्कार और सद्भावना से समाज एवं राष्ट्र को प्रकाशित करना चाहिए। इस भव्य एवं यादगार आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ललित देवांगन, अकलेश पटेल, अनिल चंद्रवंशी, गोविन्द साहू, अजय सेन, आयुषी जैन, विमल साहू, राजा तंतुवाय, अभिषेक दुबे, संदीप कुमार, रेणुका पटेल, साक्षी शर्मा, ऐश्वर्य देशमुख, ममता चंद्राकर, गायत्री सिन्हा, वर्षा वैष्णव, शोभारानी साहू, अनिल कुमार, प्रकाश भोई, प्रीति यादव, अर्पिता बोस, रुद्राभिषेक सोनी, कैलाश सिंह, यामिनी साहू, भारती भट्ट, प्रांजलि ठाकुर, आर्या निधि, लेखनी चंद्राकर, भुनेश्वरी चंद्राकर, नीलमणि पटेल एवं भारती बंजारे सहित कर्मचारी एवं सहयोगी सुखदेव साहू, रूखमणी चंद्राकर, रामेश्वरी चंद्राकर, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर एवं कुंती यादव का सराहनीय योगदान रहा। दीपों की रोशनी, बच्चों की खिलखिलाहट, धार्मिक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा यह दीपोत्सव सभी के लिए यादगार बन गया। विद्यालय के प्राचार्य पी. एल. जायसवाल के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच एवं प्रभावी मार्गदर्शन में इस पूरे आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई तथा उनके दिशा-निर्देशन में विद्यालय परिवार ने कार्यक्रम को भव्य एवं सफल स्वरूप प्रदान किया।

विद्यालय की उपलब्धियाँ एवं विशिष्ट पहचानः दाढ़ी क्षेत्र का एकमात्र सीबीएसई विद्यालय एवं बेमेतरा जिले का एकमात्र डी.ए.वी. विद्यालय अपनी विशिष्ट शैक्षणिक पहचान के साथ निरंतर नई उपलब्धियों की ओर अग्रसर है। प्राचार्य पी. एल. जायसवाल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय केवल किताबी शिक्षा तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला, संस्कृति एवं व्यक्तित्व विकास के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर अवसर प्रदान कर रहा है। इसी का परिणाम है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 में सभी कक्षाओं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा तथा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विज्ञान के क्षेत्र में ढृहस्क्कृत्रश्च-स्रह्य योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों का चयन, अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड में 8 पदक तथा ह्वस्ह्व ओलंपियाड में 40 स्वर्ण पदक विद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। वहीं खेलों के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। अंडर-17 बालक कबड्डी टीम की राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्णिम सफलता सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन विद्यालय की उपलब्धियों में नए आयाम जोड़ रहा है। विद्यालय का निरंतर प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी रुचि एवं प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर मिले और वह भविष्य में अपने परिवार, क्षेत्र एवं देश का नाम रोशन करे।

बस्तर और बकावंड विकासखंड के 126 दिव्यांग विद्यार्थियों का हुआ परीक्षण एवं पंजीयन, विशेषज्ञों की मेडिकल टीम ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

74 दिव्यांग विद्यार्थियों का सहायक उपकरणों के लिए हुआ चिन्हांकन

मूक पत्रिका

बस्तर। समग्र शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 4 नवंबर 2026 को विकासखंड बस्तर एवं बकावंड के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बीआरसी कार्यालय बस्तर में आकलन एवं मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 126 दिव्यांग विद्यार्थियों का परीक्षण एवं पंजीयन किया गया। इनमें से विशेषज्ञों की टीम ने 74 विद्यार्थियों का परीक्षण कर उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए चिन्हांकन एवं माप लिया।समग्र शिक्षा के संचालक एवं कलेक्टर आकाश चिकारा तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय खन्ना के दिशा-निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग विद्यार्थियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उनकी शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप सहायक उपकरण उपलब्ध कराना था।शिविर में





जिला चिकित्सालय की मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों का परीक्षण किया गया। इस दौरान पात्र विद्यार्थियों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया भी पूरी की गई। मेडिकल बोर्ड में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. लखन ठाकुर, नाक-कान-गला विशेषज्ञ डॉ. नवदीप सिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राज, मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. रुखसार खान एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सरिता थॉमस सहित ऑडियोलॉजिस्ट श्री साहू ने अपनी सेवाएं दीं। इसके साथ ही समाज कल्याण विभाग के सहयोग से श्री श्याम सुंदर एवं उनकी टीम द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी (छ्ढ्ढष्ठ) कार्ड बनाने की प्रक्रिया में सहयोग किया गया।

एक ही स्थान पर मिलीं सभी सुविधाएं- शिविर की विशेष उपलब्धि यह रही कि दिव्यांग विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को अलग-अलग विशेषज्ञ चिकित्सकों से मिलने अथवा प्रमाण पत्र बनवाने के लिए विभिन्न कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े। एक ही स्थान पर मेडिकल परीक्षण, आवश्यक मूल्यांकन एवं प्रमाण पत्र संबंधी प्रक्रियाएं पूरी होने से अभिभावकों को काफी सुविधा मिली। इस व्यवस्था से अभिभावकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजन की सराहना की। यह पहल दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी आवश्यकताओं की पहचान करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आकलन शिविर के द्वितीय चरण में चिन्हित किए गए दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

आयोजन में इनका रहा सराहनीय योगदान-शिविर के सफल आयोजन में जिला मिशन समन्वयक अशोक पांडे, समावेशी शिक्षा प्रभारी राजेश त्यागी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन, विकासखंड स्रोत समन्वयक अजम्बर कोरराम, विकासखंड बकावंड के बीआरसी चंद्रशेखर नायडू, सत्यप्रकाश साहू, अर्जुन कश्यप, नीलम यादव सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा। दिव्यांग बच्चों को केवल शिक्षा से जोड़ना ही नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर अवसर, आवश्यक संसाधन और आत्मनिर्भर बनने का संबल देना भी जरूरी है। बस्तर में आयोजित यह आकलन शिविर इसी दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ है। अब दूसरे चरण में सहायक उपकरणों के वितरण से चिन्हित विद्यार्थियों को पढ़ाई और दैनिक गतिविधियों में और अधिक सुविधा मिलेगी।

निश्चित ही, ऐसे प्रयास दिव्यांग बच्चों के जीवन को सुगम बनाने के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की राह भी मजबूत करेंगे।

संगमपल्ली में शराब दुकान हटाने ग्रामीणों का प्रदर्शन





15 नवंबर तक का दिया अल्टीमेटम, विधायक विक्रम मंडावी ने सरकार से पूछा- यह कैसा विकास?

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। भोपालपट्टनम ब्लॉक के ग्राम संगमपल्ली में अंग्रेजी शराब दुकान खोलने का ग्रामीणों ने विरोध किया है। गुरुवार को संगमपल्ली और आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर दुकान को बंद करने की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। ग्रामीणों ने भोपालट्टनम तहसीलदार के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 15 नवंबर तक शराब दुकान हटाने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि संगमपल्ली आदिवासी बाहुल्य गांव है। यहां शराब दुकान खुलने से युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों पर बुरा असर पड़ेगा। इससे सामाजिक समस्याएं और अपराध बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने कहा कि आसपास के गांवों के लोग भी शराब दुकान खोलने का विरोध कर रहे हैं। इसलिए दुकान को तत्काल बंद कर हटाया जाना चाहिए।

विधायक ने सरकार को घेरा- विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि ग्रामीण स्कूल, अस्पताल, सड़क, पेयजल, बिजली और रोजगार जैसी सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा सरकार इन सुविधाओं के बजाय सरकारी शराब दुकानें खोल रही है। उन्होंने सवाल किया कि स्कूल और अस्पताल की जगह शराब दुकानें खोलना कैसा विकास है? विधायक ने आरोप लगाया कि ग्रामीणों को डरा-धमकाकर शराब दुकानें खोली जा रही हैं।ग्रामीणों ने प्रशासन को 15 नवंबर तक दुकान हटाने का समय दिया है।

इसके बाद भी दुकान संचालित रहने पर आंदोलन तेज करने की बात कही है। प्रदर्शन में लालू राठौर, नीना रावतिया उद्दे, शंकर कुड़ियाम, मिच्छा मुतैया, मनोज यलम, सुनील उद्दे, सुरेश सोढ़ी, इस्तारी तलांडी, कामेश्वर गौतम, अरुण वासम और मनोज कसोजी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

पैंगोलिन के शल्क और तेंदुए की खाल के साथ 6 आरोपी पकड़े ग, रेड्डी और मल्लेपल्ली में वन विभाग की दबिश

9.260 किलो पैंगोलिन शल्क और तेंदुए की एक खाल बरामद; तस्करी नेटवर्क की जांच जारी

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार और उनके अंगों की तस्करी का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने दो अलग-अलग गांवों में दबिश देकर पैंगोलिन के 9 किलो 260 ग्राम शल्क और तेंदुए की एक खाल बरामद की है। दोनों कार्रवाइयों में छह लोगों को पकड़ा गया है। बरामदगी के बाद विभाग अब वन्यजीवों के शिकार के स्रोत, संभावित खरीदारों और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटा है।वन विभाग की पहली कार्रवाई तहसील गंगालूर के ग्राम रेड्डी में की गई। यहां टीम ने दबिश देकर पैंगोलिन के 9.260 किलो शल्क बरामद किए। मामले में चार लोगों को पकड़ा गया। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर विभागीय टीम ने दूसरी कार्रवाई तहसील आवापल्ली के ग्राम मल्लेपल्ली, बासागुड़ा में की। यहां से तेंदुए की एक खाल बरामद हुई और दो अन्य लोगों को पकड़ा गया।वन विभाग से मिली जानकारी अनुसार पैंगोलिन और तेंदुआ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-एक में शामिल संरक्षित प्रजातियां हैं। इनके शिकार, अंगों के संग्रहण और अवैध कारोबार पर कठोर दंड का प्रावधान है। दोनों मामलों में वन अपराध दर्ज कर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

शिकार से लेकर खरीदारों तक कड़ियां जोड़ने में जुटा विभाग

दो अलग-अलग गांवों से वन्यजीवों के अंगों की बरामदगी के बाद विभाग अब इनके स्रोत का पता लगाने में जुटा है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है

कि इनका शिकार कहां किया गया और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर संभावित तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

श्री योग वेदांत सेवा समिति बेमेतरा ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

संत श्री आशारामजी बापू के बेहतर उपचार एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

मूक पत्रिका



बेमेतरा – संत श्री आशारामजी बापू (87 वर्ष) की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए श्री योग वेदांत सेवा समिति बेमेतरा द्वारा राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इसके साथ ही राजस्थान सरकार एवं जोधपुर जेल अधीक्षक के नाम भी ज्ञापन प्रेषित कर न्यायालय के आदेशानुसार संत श्री आशारामजी बापू को जोधपुर स्थित आरोग्यम हॉस्पिटल में समुचित उपचार की अनुमति एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। समिति के अध्यक्ष विश्राम साहू ने बताया कि पूज्य बापूजी हृदय रोग, टाइप-2 डायबिटीज एवं उच्च रक्तचाप सहित कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें 13 अक्टूबर 2026 को गंभीर हृदयाघात भी हुआ था। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए विशेष चिकित्सकीय देखरेख एवं निरंतर निगरानी की आवश्यकता है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि राजस्थान उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व आदेशों के अनुरूप उन्हें जोधपुर स्थित आरोग्यम हॉस्पिटल में उपचार जारी रखने की अनुमति प्रदान की जाए। साथ ही 24 घंटे हृदय रोग विशेषज्ञ की निगरानी, आपातकालीन चिकित्सा सुविधा एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं।समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि यह मांग किसी विशेष सुविधा की अपेक्षा नहीं, बल्कि एक गंभीर रूप से बीमार 87 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति को आवश्यक चिकित्सा सुविधा एवं मानवीय गरिमा के साथ उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही है।इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में समिति के अध्यक्ष विश्राम साहू सहित डॉ. जनक साहू, भगवती साहू, हेमलाल साहू, बिमल साहू, ओमप्रकाश साहू, जगतराम साहू, रामकुमार साहू, अभिलाष साहू, नंदू बघेल, बिरेंद्र साहू, रेवाराम पाल, रामकरण साहू, दिलहरण साहू, ढारेंद्र साहू, टोपेश्वर साहू, पुरुषोत्तम साहू, भागवत साहू, रामकुमार सप्रे, कोमल साहू, लता साहू, भारती साहू, चुन्नी साहू, अनीता साहू, भानमती साहू, काजल बघेल, जिज्ञासा साहू, ललिता नायक एवं सरस्वती साहू सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।उक्त जानकारी श्री योग वेदांत सेवा समिति के मीडिया प्रभारी विकास तंबोली ने साझा की।

मुख्यमंत्री की 'विष्णु के पाती' पहुंची साहित्यकार एवं कवि मीर अली मीर के घर, राज्य स्थापना दिवस पर पत्र लिखकर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और लोकसंस्कृति के संरक्षण में उनके योगदान की सराहना की

श्री मीर अली ने कहा, मुख्यमंत्री की यह पहल दिल को छू गई, चिट्ठी का जवाब लिखकर निभा रहे पत्राचार की परंपरा

मूक पत्रिका

रायपुर - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अनूठी पहल 'विष्णु के पाती' लोगों के दिलों को छू रही है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री साय द्वारा प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि श्री मीर अली मीर को भेजे गए आत्मीय

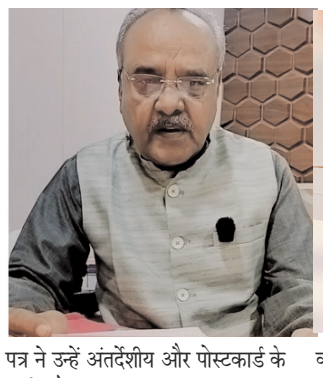



पत्र ने उन्हें अंतर्देशीय और पोस्टकार्ड के पुराने दौर की याद दिला दी। मुख्यमंत्री का स्नेहभरा संदेश पढ़कर वे इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तत्काल पत्र का जवाब लिखकर मुख्यमंत्री को भेजने की तैयारी कर ली। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य और लोकसंस्कृति को समृद्ध बनाने में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने श्री मीर की प्रसिद्ध रचना 'नंदा जाही का रे' का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में छत्तीसगढ़ की माटी की महक, लोकजीवन की सादगी, रिश्तों की आत्मीयता और अपनी संस्कृति के प्रति गहरा प्रेम दिखाई देता है।मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में कहा कि साहित्यकारों की रचनाएं समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। श्री मीर अली मीर की रचनाएं नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ी बोली, संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव का भाव भी जगाती हैं। मुख्यमंत्री ने उनके निरंतर साहित्य सृजन की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री का पत्र मिलने पर श्री मीर अली मीर ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, ÷हमारे प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से मुझे 'विष्णु के पाती' प्राप्त हुई। यह बहुत अच्छी पहल है। आज के समय में जब पत्र लिखने की परंपरा लगभग समाप्त होती जा रही है, मुख्यमंत्री जी ने इसे फिर से जीवंत करने का प्रयास किया है।÷उन्होंने बताया कि लिफाफे में शुभकामना संदेश के साथ पत्रोत्तर के लिए एक कार्ड भी रखा गया था। इसे देखकर उन्हें वह समय याद आ गया, जब लोग अंतर्देशीय पत्र और पोस्टकार्ड के माध्यम से अपने विचार और भावनाएं एक-दूसरे तक पहुंचाते थे।श्री मीर ने कहा, ÷पत्र पढ़ते ही मैंने तत्काल इसका जवाब लिखने का मन बना लिया। मैं मुख्यमंत्री जी को पत्रोत्तर भेज रहा हूं। मेरी इच्छा है कि वे भी मेरा जवाब पढ़ें और बताएं कि उन्हें कैसा लगा। इस तरह पत्र लिखने और उसका जवाब देने की यह सुंदर परंपरा आगे भी बनी रहे।÷

धनतेरस को लेकर कुसमी का बाजार सजकर तैयार, ग्राहकों की राह देख रहे दुकानदार; आज होगी धनवर्षा की उम्मीद!

मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता -कुसमी। दीपावली पर्व से पहले धनतेरस को लेकर बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के कुसमी नगर में बाजार पूरी तरह सजकर तैयार हो गया है। नगर की छोटी-बड़ी दुकानों में रौनक बढ़ने लगी है। व्यापारियों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। अब दुकानदारों को धनतेरस के दिन ग्राहकों की भीड़ उमड़ने और अच्छे कारोबार की उम्मीद है।धनतेरस को लेकर कुसमी बाजार में ऑटोमोबाइल से लेकर सोना-चांदी, बर्तन, कपड़ा, मोबाइल और फर्नीचर तक की दुकानों में विशेष तैयारियां की गई हैं। ऑटोमोबाइल कारोबारियों ने बाइक एवं अन्य वाहनों को बिक्री के लिए तैयार रखा है, वहीं सराफा दुकानों में सोने-चांदी के आभूषणों की चमक





दिखाई दे रही है। बर्तन दुकानों में स्टील, पीतल, तांबे सहित विभिन्न प्रकार के बर्तनों की आकर्षक रेंज सजाई गई है।इसके अलावा कपड़ा दुकानों में नए फैशन के परिधान, मोबाइल दुकानों में नए मॉडल के स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में टीवी, फ्रिज और अन्य घरेलू उपकरणों के साथ फर्नीचर दुकानों में सोफा, पलंग, अलमारी एवं अन्य घरेलू सामान ग्राहकों के इंतजार में तैयार हैं। वहीं सजावटी सामग्री, पूजा-पाठ के सामान और घर-गृहस्थी से जुड़ी अन्य वस्तुओं की दुकानों में भी धनतेरस को लेकर खास तैयारी की गई है।

खरीदारी के शुभ मुहूर्त को लेकर उत्साह

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनतेरस के दिन सोना-चांदी, बर्तन और नई वस्तुओं की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। इसी परंपरा के चलते लोग अपनी जरूरत और बजट के अनुसार खरीदारी की योजना बना रहे हैं। कोई दोपहिया वाहन खरीदने की तैयारी में है तो कोई सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, मोबाइल, कपड़े और घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदने की योजना बना रहा है।

व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद

धनतेरस को लेकर कुसमी के व्यापारियों में खासा उत्साह है। दुकानदारों ने अपनी ओर से पूरी तैयारी कर ली है और अब उन्हें ग्राहकों के बाजार पहुंचने का इंतजार है। व्यापारियों को उम्मीद है कि धनतेरस के दिन सुबह से ही बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी और देर शाम तक बाजार गुलजार रहेगा।

यदि ग्राहकों की अच्छी भीड़ पहुंचती है तो इस बार व्यापार में बेहतर कारोबार होने की संभावना है।कुल मिलाकर धनतेरस को लेकर कुसमी का बाजार पूरी तरह तैयार है।

अब देखना होगा कि इस धनतेरस पर बाजार में कितनी रौनक छाती है और व्यापारियों के चेहरों पर कितनी खुशियां आती हैं।

कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में जवानों का बढ़ाया उत्साह, श्रमिकों का किया सम्मान; बीजापुर राज्योत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर प्रतिभावान विद्यार्थियों को किया सम्मानित

नक्सलवाद के अंधकार से विकास के उजाले की ओर बढ़ रहा बीजापुर, अब बस्तर में गोलियों की नहीं, विकास और खुशहाली की गूंज सुनाई दे रही है : मंत्री गुरु खुशवंत साहेब

मूक पत्रिका

बीजापुर/रायपुर - छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव-2026 में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब शामिल हुए। अपने बीजापुर प्रवास के दौरान उन्होंने कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर स्थित एफओबी ताड़पाला पहुंचकर सुरक्षा बलों के जवानों से मुलाकात की और उनके साहस, शौर्य एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की सराहना की। इसके साथ ही विकास कार्यों में योगदान दे रहे श्रमिकों को सम्मानित किया। उन्होंने भाजपा संगठन के पदाधिकारियों एवं सतनामी समाज के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। इसके पश्चात बीजापुर के मिनी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर प्रदेश की विकास यात्रा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

कर्रेगुट्टा में जवानों का बढ़ाया उत्साह, तिरंगे की शान को बताया गौरव का प्रतीक- मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर स्थित एफओबी ताड़पाला पहुंचकर सुरक्षा बलों के जवानों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने दुर्गम जंगलों और कठिन परिस्थितियों में देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए तैनात जवानों के अदम्य साहस, त्याग और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर तिरंगे का गौरवपूर्ण ध्वज फहराया जाना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि जवानों के साहस, विश्वास और संकल्प का प्रतीक है। उनके त्याग और बलिदान के कारण ही आज उन क्षेत्रों में शांति एवं विकास की नई संभावनाएं बन रही हैं।





श्रमेव जयते के संदेश के साथ श्रमिकों का किया सम्मान-कर्रेगुट्टा में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों में योगदान दे रहे श्रमिकों को मंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने और विकसित बस्तर के निर्माण में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार में श्रमिकों का परिश्रम विकास की वास्तविक नींव है।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान-मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व तथा उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निरंतर प्रयासों से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध अभियान को नई दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद ने दशकों तक बस्तर के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास को प्रभावित किया। आज सुरक्षा बलों के साहस, सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और स्थानीय नागरिकों के सहयोग से परिस्थितियां बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि अब बस्तर की पहचान भय और हिंसा से नहीं, बल्कि शिक्षा, पर्यटन, रोजगार, कृषि, संस्कृति और विकास से बननी चाहिए। सरकार का लक्ष्य प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक गांव तक सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है।

भाजपा संगठन एवं सतनामी समाज के प्रतिनिधियों से की मुलाकात-कर्रेगुट्टा दौरे के बाद मंत्री ने बीजापुर जिला मुख्यालय में भाजपा संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों और जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इसके साथ ही सतनामी समाज के प्रतिनिधियों एवं समाजजनों से भी आत्मीय भेंट की। इस दौरान सामाजिक समरसता, शिक्षा, समाज के विकास और युवाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

राज्योत्सव में प्रदेश की विकास यात्रा और उपलब्धियों को किया रेखांकित-बीजापुर के मिनी स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव-2026 में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का पुण्य स्मरण किया। इसके बाद विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और उपस्थित जनसमूह को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ था। इन 26 वर्षों में प्रदेश ने कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी शिक्षा, उद्योग, कौशल विकास, अधोसंरचना और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। छत्तीसगढ़ की पहचान यहां की समृद्ध संस्कृति, लोककला, किसान, श्रमिक, युवा और मातृशक्ति से है। कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा से युवाओं को बनाएंगे आत्मनिर्भर- कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने युवाओं के भविष्य को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के पास रोजगारपरक तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल होना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार कौशल प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है। बस्तर के युवाओं को भी आधुनिक तकनीक, डिजिटल शिक्षा और उद्योग आधारित प्रशिक्षण के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि स्थानीय युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिल सकें।

संपादकीय

दिल्ली की हवा क्यों नहीं हो रही साफ?

इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केवल तात्कालिक उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके मूल कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत अध्ययन और उसके नतीजों के अनुरूप कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है।देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण एक ऐसी समस्या बन गई है, जिसके समाधान के लिए अपनाए जा रहे तमाम उपाय कारगर साबित नहीं हो पा रहे हैं। हर साल सर्दी के मौसम में यहां की हवा में सांस लेना जोखिम भरा हो जाता है। कई बार तो वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच जाती है।सरकार की ओर से प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए विशेष नीतियां और नियम बनाए गए हैं, जिन्हें परिस्थितियों की लिहाज से सख्त करने के प्रयास भी होते रहे हैं। इनमें निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध, वाहनों पर पाबंदियां, सड़कों पर पानी का छिड़काव और आसपास के राज्यों में पराली जलाने पर रोक लगाने के उपाय प्रमुख हैं। मगर इस सबके बावजूद यहां की हवा की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है। ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (सीआरईए) की ओर से हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में भी इसकी तस्दीक की गई है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में वर्ष 2022 में चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्ययोजना (ग्रैप) में संशोधन के बाद पिछले चार साल में सर्दी के दौरान वायु गुणवत्ता में सतत सुधार नहीं हुआ है।इस रिपोर्ट से स्पष्ट है कि प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केवल तात्कालिक उपाय पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके मूल कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत अध्ययन और उसके नतीजों के अनुरूप कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है। राजधानी में सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ने का वैज्ञानिक पहलू तापमान में गिरावट, हवा की धीमी गति और वातावरण में नमी बढ़ने से प्रदूषक कणों का लंबे समय तक जमीन के करीब बने रहना है।इससे हवा में धूल, धुआं और हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक इकाइयों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और पराली जलाने जैसी गतिविधियां स्थिति को गंभीर बनाती हैं।मगर सवाल है कि जब इन ज्ञात कारणों के अध्ययन के बाद ही दिल्ली में ग्रैप की व्यवस्था लागू की गई है और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने पर रोक लगाने को लेकर भी सख्त नियम बनाए गए हैं, तो फिर क्या वजह है कि स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है? सीआरईए की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि चार साल के दौरान विभिन्न तरह के उपायों के तहत बार-बार कड़े प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद शहर में प्रदूषण का स्तर ऊंचा बना रहा।ऐसे में यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या दिल्ली में प्रदूषण के ज्ञात कारणों के अलावा भी कोई ऐसे स्रोत हैं, जो हवा की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं?

या फिर जो योजनाएं और नियम बनाए जाते हैं, उन्हें सरकारी कागजों से बाहर निकालकर जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने में ईमानदारी, पारदर्शिता और इच्छाशक्ति का अभाव है!

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

(ललित गर्ग)



रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है-समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी। दूरसंचार कंपनियों को सेवा की गुणवत्ता, उचित कीमत और उपभोक्ता हितों के बीच संतुलन बनाना होगा। टाटा, एयरटेल और दूसरे भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धा भी इस क्षेत्र को अधिक सक्षम बना सकती है। एक हाथ से ताली नहीं बजती-विकसित भारत के निर्माण में सरकार, उद्योग, निवेशक, श्रमिक और उपभोक्ता सभी की भूमिका है।

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा। आर्थिक विकास का उद्देश्य केवल कुछ कंपनियों को वैश्विक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में स्थिरता, सम्मान और अवसर लाना होना चाहिए। वस्तुतः जियो की उपलब्धि नए भारत की उस आकांक्षा का प्रतीक है, जो तकनीक में आत्मविश्वास, व्यापार में विस्तार और विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व चाहती है। किंतु मंजिल अभी दूर है। सच्ची सफलता वह नहीं, जहां कुछ लोग शिखर पर पहुँच जाएं, सच्ची सफलता वह है, जहाँ शिखर तक पहुँचने के रास्ते सबके लिए खुलें। रिलायंस की यह आर्थिक छलांग तभी इतिहास में स्थायी स्थान बनाएगी, जब इसके साथ रोजगार बढ़ेगा, आय की विषमता घटेगी और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचेगी। यही विकसित भारत का सार है-समृद्ध उद्योग, सक्षम नागरिक और संवेदनशील समाज।

अनंत अंबानी ने जियो के नाम में छिपे आशीर्वाद के भाव को जिस आत्मीयता से अभिव्यक्त किया, वह भारतीय संस्कृति, पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक चेतना का सुंदर संगम है। उन्होंने कहा कि माँ कहती है-जियो मेरे लाल, दादी कहती हैं-जुग-जुग जियो और दोस्त कहते हैं-जियो मेरे यार। इस तरह 'जियो' केवल एक व्यावसायिक नाम नहीं, बल्कि शुभकामना, आशीर्वाद, स्नेह और मंगलकामना का जीवंत संदेश बन जाता है। जब उन्होंने कारोबार को पूजा और शेयरों को प्रसाद की संज्ञा दी, तब उन्होंने आर्थिक उपलब्धि को जनभागीदारी और कृतज्ञता से जोड़ने का अनूठा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। सचमुच, जब व्यापार में आशीर्वाद का भाव और सफलता में समाज की साझेदारी जुड़ जाए, तब उद्यम केवल समृद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनविश्वास का उत्सव बन जाता है।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार।
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अच्छा दिखना या अच्छा होना, असली परीक्षा तब होती है जब कोई देख नहीं रहा होता

(संध्या अग्रवाल)

किसी ने हमारी अच्छाई देखी नहीं, हमारी मदद की किसी ने तारीफ नहीं की और हमारे सही निर्णय का किसी को पता ही नहीं चला, तब भी क्या हम वही करेंगे, जो सही है? शायद यही वह सवाल है जो हमें अपने भीतर झांकने के लिए मजबूर करता है। दरअसल, अच्छा होना और अच्छा दिखना, सुनने में भले ही एक जैसे लगें, लेकिन इनके बीच बहुत महीन अंतर है। अच्छा होना हमारे भीतर से आता है, जबकि अच्छा दिखना दूसरों की नजर पर निर्भर करता है। एक के लिए किसी दर्शक की जरूरत नहीं होती, दूसरे के लिए दर्शक जरूरी हो जाता है।

मनुष्य को समाज में सम्मान चाहिए, उसे अपनी छवि की चिंता रहती है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। समस्या तब शुरू होती है जब दूसरों की नजर हमारे व्यवहार की दिशा तय करने लगती है और हम सही काम इसलिए करने लगते हैं कि लोग हमें अच्छा समझें। किसी जरूरतमंद की मदद करना, किसी भूखे को भोजन देना, किसी गरीब बच्चे की फीस भरना या किसी सामाजिक कार्य में सहयोग करना निश्चित रूप से अच्छी बात है।

आज ऐसे कामों को सार्वजनिक करने के अवसर भी बहुत हैं। कभी किसी तस्वीर के माध्यम से, कभी किसी पोस्ट के जरिए। इसका एक सकारात्मक पक्ष भी है। अच्छे काम सामने आएंगे, तो दूसरे लोग प्रेरित हो सकते हैं। कोई पहल व्यापक रूप ले सकती है। लेकिन अगर उस अच्छे काम की कोई तस्वीर न बने, कोई उसे जानने वाला न हो, कोई प्रशंसा न मिले, तो क्या हम तब भी वही काम करेंगे?

अच्छाई की असली परीक्षा अक्सर उन्हीं जगहों पर होती है, जहां कोई कैमरा नहीं होता। किसी प्रभावशाली व्यक्ति के सामने विनम्र होना आसान है, लेकिन उस व्यक्ति के प्रति सम्मान बनाए रखना, जिससे हमारा कोई काम नहीं निकलना, हमारे चरित्र की बड़ी परीक्षा है। किसी वरिष्ठ की गलती पर चुप रहना और किसी कमजोर व्यक्ति की छोटी-सी भूल पर कठोर हो जाना हमारे भीतर के उस अंतर को दिखाता है, जिसे बाहरी छवि छिपा नहीं सकती। रिश्तों में भी अच्छा दिखने और अच्छा होने का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। कई बार हम बाहर की दुनिया में बेहद सभ्य, धैर्यवान और समझदार दिखाई देते हैं, लेकिन घर लौटते ही हमारा व्यवहार बदल जाता है। हम किसी अनजान व्यक्ति की परेशानी देखकर तुरंत संवेदनशील हो जाते हैं, लेकिन घर के किसी अपने की चुप्पी को समझने का धैर्य नहीं रखते। बाहर किसी की भावनाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन अपने ही परिवार के सदस्य की बात बीच में काट देते हैं। क्या हमारी अच्छाई उन लोगों तक सीमित है, जिनके सामने हमें अच्छा दिखाई देना है? कभी-कभी हम अपने बारे में एक ऐसी छवि बना लेते हैं, जिसे बचाना वास्तविकता सुधारने से अधिक महत्त्वपूर्ण लगने लगता है। अगर लोग हमें ईमानदार मानते हैं, तो अपनी गलती स्वीकार करना कठिन हो जाता है। अगर हमें समझदार माना जाता है, तो यह स्वीकार करना मुश्किल लगता है कि किसी मामले में हम गलत थे। हम अपनी कमियों को दूर करने के बजाय उन्हें छिपाने लगते हैं। जबकि शायद सच्ची अच्छाई गलती न करने में नहीं, गलती स्वीकार करने और उसे सुधारने की इच्छा में होती है।

डिजिटल दुनिया ने इस प्रवृत्ति को जरूर नया विस्तार दिया है, लेकिन इसकी जड़ें केवल तकनीक में नहीं हैं। पहले भी लोग सामाजिक प्रतिष्ठा और अपनी छवि के लिए चिंतित रहते थे। फर्क इतना है कि आज हमारी जिंदगी के चुने हुए हिस्से तेजी से बहुत से लोगों तक पहुंच जाते हैं। हम क्या पहनते हैं, कहां जाते हैं, किसकी मदद करते हैं, क्या सोचते हैं- इन सबकी एक सार्वजनिक छवि बन सकती है। ऐसे में यह भ्रम पैदा होना स्वाभाविक है कि जो दिखाई दे रहा है, वही पूरा सच है। जबकि व्यक्ति का वास्तविक चरित्र अक्सर उन क्षणों में सामने आता है, जिन्हें वह किसी के साथ साझा नहीं करता।

यह भी संभव है कि कभी-कभी हम सचमुच अच्छे काम करते हुए भी इस बात से प्रसन्न हों कि लोग उसे अच्छा मान रहे हैं। इसमें भी कोई अस्वाभाविक बात नहीं। किसी अच्छे काम की प्रशंसा मनुष्य को आगे और अच्छा करने की प्रेरणा दे सकती है। इसलिए लक्ष्य यह नहीं होना चाहिए कि हमें प्रशंसा से बिल्कुल फर्क ही न पड़े। लक्ष्य इतना भर हो सकता है कि प्रशंसा हमारी अच्छाई की वजह न बन जाए। असल प्रश्न दूसरों के बारे में कम और अपने बारे में अधिक है।

हम दूसरों के दिखावे को बहुत जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन अपने भीतर की उस इच्छा को पहचानने में देर करते हैं, जो चाहती है कि लोग हमें अच्छा समझें। हम पूछ सकते हैं- यदि कोई मेरी ईमानदारी की प्रशंसा न करे तो क्या मैं ईमानदार रहूंगा? यदि मेरे त्याग को कोई जान न पाए तो क्या उसका मूल्य मेरे लिए कम हो जाएगा? यदि मैंने किसी की मदद की और वह धन्यवाद भी न दे, तो क्या मैं फिर भी संतुष्ट रहूंगा? शायद बच्चों को भी अच्छाई का अर्थ समझाने की जरूरत है। अच्छे अंक, अच्छे कपड़े, सुंदर तस्वीर या अच्छी सामाजिक छवि किसी व्यक्ति को अच्छा नहीं बनाती। व्यक्ति को अच्छा बनाते हैं उसके निर्णय, उसका व्यवहार और दूसरों के प्रति उसका सम्मान।

सवाल यह नहीं कि दुनिया हमें कितना अच्छा मानती है। अधिक महत्त्वपूर्ण यह है कि हम खुद अपने सामने कितने सच्चे हैं। दुनिया की नजर बदल सकती है, प्रशंसा कल नहीं भी मिल सकती, लेकिन हमारा अंतर्मन हमारे साथ रहता है। जीवन की सुंदरता तब बढ़ती है, जब हमारी दिखाई देने वाली छवि और हमारे वास्तविक व्यक्तित्व के बीच दूरी कम होती जाए।

डॉ. और डॉ.(एच सी) का फर्क जानना जरूरी ...

पी एच डी जैसी सम्मानजनक उपाधि इन दिनों संस्थाओं द्वारा बांटी जाने लगी हैं ! संस्थाएं इसे मानद उपाधि के रूप में किसी क्षेत्र में विशिष्ट कार्य स्वरूप प्रदान कर रही हैं । उक्त क्षेत्रों की बात करें तो , सांस्कृतिक गतिविधियों में देश-प्रदेश में बड़ी भूमिका अदा करना , साहित्य के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान , लोकरंग अथवा लोकनाट्य , संगीत के क्षेत्र में किसी तरह के नवाचार में सहभागिता आदि के लिए मानद उपाधि दी जा रही है । विडंबना यह है कि इन दिनों पी एच डी जैसी उपाधि को मानद उपाधि के नाम पर बेचा जाने लगा है ! एक ही मंच पर कई दर्जन लोगों को यह उपाधि प्रदान की जा रही है ! इस तरह की उपाधि बांटने अथवा बेचने वाले भी यह जानते हैं कि ऐसी उपाधि प्राप्तकर्ता अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखने की हैसियत नहीं रखते हैं । जब ऐसा है तो अति महत्वाकांक्षी लोग इसे क्यों खरीदेंगे ? संस्था द्वारा पीएचडी की मानद उपाधि देने वालों का भी यह स्पष्ट कहना है कि यदि ऐसी उपाधि प्राप्त लोग अपने नाम के आगे डॉ. लगाते हैं तो उन्हें डॉ.(एच सी) लिखना चाहिए । इसका अर्थ ' होनोरिस काउसा ' अर्थात सम्मान स्वरूप होता है । ऐसी भिन्नता रखने से वास्तव में पीएचडी करने वालों और उपाधि प्राप्त करने वालों के बीच का अंतर आसानी से समझा जा सकता है । दूसरी बड़ी बात मानद उपाधि के संबंध में यह भी कही जाती है , कि नैतिक रूप से इस तरह की उपाधि का उपयोग केवल उस विशिष्ट संस्था या क्षेत्र के कार्यक्रमों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए जिसने यह उपाधि प्रदान की हो ।

मानवीय समाज इसे भली भांति समझता है कि डॉ. टाइटल ने हमेशा इज्जत और सम्मान पाया है , अथवा वे इसके हकदार हैं । सदियों से पीएचडी किसी क्षेत्र (विषय) विशेष में गंभीर समझ , गहरी पढ़ाई के साथ एक्सपर्टीज का परिचय कराती रही है । वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि सेलिब्रिटी , पॉलीटिशियंस सहित समाज सेवी लोगों को ऑनरेरी उपाधि मिलने के बाद वे नाम के साथ डॉ. लिखना शुरू कर देते हैं ! बेशक यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या ऑनरेरी पीएचडी उपाधि वाला कोई व्यक्ति सच में डॉ. कहलाने का हकदार है ? इस तरह की ऑनरेरी उपाधि वास्तव में एक अवार्ड है , जो किसी संस्था द्वारा दी गई है । इस ऑनरेरी अवार्ड में उस उपाधि के लिए योग्य होने की अनिवार्य जरूरतें पूरी नहीं की जाती हैं ! उदाहरण के तौर पर न तो इस उपाधि के लायक पढ़ाई की जाती है और न ही रिसर्च वर्क पूरा किया जाता है! रही बात थीसिस की , तो इसका तो मतलब भी बहुत से ऑनरेरी डिग्री प्राप्तकर्ता नहीं जानते हैं ! ऐसी डिग्री प्राप्त करने वाले सालों तक फील्ड में काम करने से भी दूर रहते हैं । वास्तव में इस तरह प्राप्त सम्मान का लैटिन नाम ' डॉक्टर होनोरिस काउसा ' है । इसका सीधा सा मतलब सम्मान के लिए डॉक्टर से लगाया जाता है । इस तरह का सम्मान नेताओं , नोबेल पुरस्कार विजेताओं , कलाकारों , एक्टिविस्ट , उद्यमियों और कुछ मामलों में उन स्थानीय नायकों को दिया जाता है , जिन्होंने अपने समुदाय में बहुत बड़ा बदलाव लाया हो ।

मानद डॉक्टरेट के स्तरों को समझा जाए तो यह अलग-अलग क्षेत्र में अन्य संदर्भ में दिया जाता है । डॉक्टर आप ह्यूमन लैटर - उन लोगों को प्रदान किया जाता है , जिन्होंने कला में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो । डॉक्टर आफ लॉ - जिसे हम एल एल डी के नाम से भी जानते हैं , प्रायः राष्ट्राध्यक्षों , राजनेताओं और कानून के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्तकर्ता लोगों को दी जाती है । इसी तरह डॉक्टर ऑफ फाइनआर्ट - की उपाधि संस्कृति और कला में अद्भुत योगदान के लिए दी जाती है । हम प्रायः डॉक्टर ऑफ साइंस अथवा (एससीडी) भी सुनते आ रहे हैं । यह वैज्ञानिक प्रगति के लिए दी जाने वाली डिग्री है । डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (डी लिट) अपने आप में बड़ी उपाधि है । इसे साहित्य , दर्शन और समाजशास्त्रीय विचार के क्षेत्र में योगदान हेतु दिया जाता है । इन सारी डॉक्टरेट उपाधि के लिए भी किसी प्रकार के फील्ड वर्क या शोध परक कार्य की जरूरत नहीं होती है । नियम सीधा-सीधा कहता है कि , मानद डॉक्टरेट का मतलब एकेडमिक अद्धधिकार नहीं होता है । इसकी वैल्यू सिंबॉलिक ही है । ऑनरेरी पीएचडी पाने वाला , प्रोफेसर या डॉक्टर नहीं बन जाता है , क्योंकि डॉक्टरेट मिलने पर भी उसे अपने सिग्नेचर में डॉ. जोड़ने का हक नहीं मिलता है ।

डॉक्टर टाइटल प्रोफेशनल फील्ड में प्रतिष्ठा , अधिकार और पहचान का प्रतीक होता है । पारंपरिक रूप से यह उन लोगों से संबंध रखता है जिन्होंने पीएचडी , एमडी या इसके बराबर की डॉक्टरेट लेवल की डिग्री प्राप्त की हो । हालांकि जब ऑनरेरी डॉक्टर की बात की जाती है तो संशय यह होता है कि यह डिग्री एकेडमिक अचीवमेंट के बजाय सम्मान के तौर पर तो नहीं दी गई है ? बीते कुछ वर्षों में बहुत सी हस्तियां एवं प्रोफेशनल्स को ऑनरेरी डिग्री प्रदान की गई है । इस तरह की रेवड़ी बंटाई के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या ऐसे लोग सही मायने में डॉक्टर टाइटल का उपयोग कर सकते हैं ? उत्तर के रूप में मैं समझता हूं कुछ लोग जो अति महत्वाकांक्षी माने जाते हैं वह इसे अपनाने लगते हैं ! कुछ लोग क्रेडिबिलिटी (विश्वसनियता) बनाए रखने के लिए इसे इस्तेमाल करने से बचते हैं । इस संदर्भ में अपने नाम के आगे डॉक्टर इस्तेमाल करने का फैसला लेने से पहले कमाए हुए और ऑनरेरी टाइटल के बीच का अंतर समझना जरूरी होना चाहिए । कुछ देशों में गाइडलाइंस में यह साफ कहा गया है कि ऑनरेरी डिग्री होल्डर्स को प्रोफेशनल कार्यों में डॉक्टर टाइटल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए । कई देश इस तरह की खुली छूट देते हैं , किंतु पारदर्शिता की उम्मीद के साथ । कानूनी तौर पर देखा जाए तो डॉक्टर टाइटल इस्तेमाल करना है या नहीं ? यह तय करने में नैतिकता ही अहम भूमिका निभाती है । कहा तो यहां तक भी जाता है कि बिना पढ़ाई लिखाई के इस टाइटल का इस्तेमाल गुमराह करने वाला ही माना जाता है । प्रोफेशनल और एकेडमिक सर्कल में क्रेडिबिलिटी का सीधा संबंध शैक्षणिक योग्यता से होता है । ऐसे क्षेत्रों में डॉ. टाइटल का इस्तेमाल संदेह के चलते गलत माना जाता है । जहां एक्सपर्टीज और शैक्षणिक योग्यता को महत्व दिया जाता हो , वहां ऑनरेरी तौर पर प्राप्त की गई डिग्री के चलते डॉ. शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहिए । जानकार बताते हैं कि ऑनरेरी उपाधि के साथ डॉ. टाइटल का उपयोग अवार्ड सेरेमनी , पब्लिक स्पीकिंग इवेंट , किसी प्रकार के आयोजन में , इंट्रोडक्शन के दौरान , केवल सम्मान प्रकट करने के लिए किया जाना चाहिए । इसके साथ ही फॉर्मल या प्रोफेशनल सेटिंग में - उदाहरण के तौर पर रिज्यूम , बिजनेस कार्ड , कार्यालय दस्तावेज में ऑनरेरी उपाधि धारकों को डॉ. शब्द के उपयोग से बचना चाहिए । किसी भी प्रकार के कन्फ्यूजन से बचने के लिए ऑनरेरी उपाधि प्राप्त करने वाले को स्पष्ट रूप से डॉ.(एचसी) लिखना चाहिए । ऐसा करने से एकेडमिक क्वालीफिकेशन बताए बिना सम्मान को बरकरार रखा जा सकता है । एकेडमिक और ऑनरेरी टाइटल जरूरतो , मकसद और पहचान के मामले में काफी अलग होते हैं । ऑनरेरी डॉक्टरेट डॉ. (एच सी) लिखने पर यह उपाधि प्राप्त करने वालों के करियर पर अच्छा प्रभाव डालती है ।कारण यह की इस तरह का सिंबाल यह प्रदर्शित करता है कि आपके विशिष्ट कार्य को संस्था विशेष ने पहचान कर आपको उक्त टाइटल के लिए उपयुक्त माना है । साथ ही डॉ. टाइटल का गलत इस्तेमाल भी नहीं हो पाता है ।

डॉ सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

संक्षिप्त समाचार

732 श्रमिकों को मिला निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का लाभ बृहस्पति बाजार के श्रमिक प्रतीक्षालय में लगा स्वास्थ्य शिविर, 106 श्रमिकों का एक्स-रे और 13 की ईसीजी जांच

बिलासपुर। जिले के श्रमिकों को सहज रूप से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आज बृहस्पति बाजार स्थित श्रमिक प्रतीक्षालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर आयोजित इस शिविर में 732 श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर सभी को नि:शुल्क दवाइयां प्रदान की गईं। श्रमिकों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। स्वास्थ्य विभाग, कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (ईएसआईएस) एवं सहायक श्रमायुक्त कार्यालय, बिलासपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण किए गए। कुल लाभान्वित श्रमिकों में से 140 का स्वास्थ्य परीक्षण मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से किया गया। इसके अलावा 106 श्रमिकों का एक्स-रे तथा 13 श्रमिकों की ईसीजी जांच की गई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग एवं कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं द्वारा सभी 732 श्रमिकों को नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न सहायता योजना के अंतर्गत शिविर में उपस्थित श्रमिकों के लिए भोजन उपलब्ध कराया गया। इस पहल से श्रमिकों को उनके एकत्र होने के स्थान पर ही स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक जांच, दवाइयों और भोजन की सुविधा मिली।

इस दिवाली, कलर्स के कलाकार प्यार, कृतज्ञता और एकजुटता की भावना का जश्न मना रहे हैं

'डॉ. आरंभी' में आरंभी का किरदार निभाने वाली ऐश्वर्या खरे ने कहा, दिवाली हमेशा से मेरे लिए खास रही है, लेकिन सालों के साथ इसे मनाने का मेरा तरीका खूबसूरती से बदल गया है। बचपन में दिवाली का मतलब नए कपड़ों का उत्साह, ढेर सारी मिठाइयाँ, दोस्तों से मिलना और परिवार के साथ समय बिताना था। हर चीज़ का ध्यान रखा जाता था और मैं बस त्योहार के जादू का आनंद लेती थी। मुझे याद है कि मेरी माँ कितने प्यार से हर चीज़ का इंतज़ाम किया करती थीं, घर सजाने से लेकर हर छोटीछोटी बात का ध्यान रखने तक, और अब मुझे यह सब खुद करने का मौका मिलता है। मेरे लिए सबसे खास पलों में से एक लक्ष्मी पूजा है। मैंने अपनी माँ को हमेशा पूरी श्रद्धा के साथ पूजा करते हुए देखा है और आज उस परंपरा को खुद आगे बढ़ाना मेरे लिए बेहद अर्थपूर्ण है। दिवाली का असली जादू जितना उत्सव में है, उतना ही उसकी तैयारियों में भी है। अपने प्रियजनों के लिए ऐसे पल बनाना, पारिवारिक परंपराओं को आगे बढ़ाना और उनमें अपनी ओर से छोटीछोटी खुशियाँ जोड़ना एक अलग ही संतोष देता है। मेरा किरदार डॉ. आरंभी भी कुछ ऐसा ही कर रही है। वह भी उत्सव की जिम्मेदारी अपने हाथों में ले रही है। शो की पूरी टीम की ओर से मैं सभी को समृद्धि, प्रेम और प्रकाश की शुभकामनाएँ देती हूँ। माँ लक्ष्मी आपके हर प्रयास को सफलता का आशीर्वाद दें। शुभ दीपावली!

'धमाल विद पति पत्नी और पंगा – जोड़ियों का रियलिटी चेक' का हिस्सा राहुल वैद्य ने कहा, दिवाली हमेशा से साल का एक खास समय रही है क्योंकि यह लोगों को करीब लाती है और हमें प्यार, परिवार और साथ होने के महत्व की याद दिलाती है। मेरे लिए यह त्योहार सिर्फ दीये जलाने, घर सजाने या स्वादिष्ट त्योहारी व्यंजनों का आनंद लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लोगों के साथ यादें बनाने का भी अवसर है जो हमारी ज़िंदगी को खूबसूरत बनाते हैं। मेरा मानना है कि दिवाली की असली भावना खुशियाँ बाँटने, नकारात्मकता को पीछे छोड़ने और किसी और की ज़िंदगी में थोड़ी और रोशनी लाने की कोशिश करने में है। 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा ङ्क जोड़ियों का रियलिटी चेक' में हम रिश्तों के कई रंगों का जश्न मनाते हैं, जहाँ प्यार, हँसी और थोड़ीसी नोकझोंक साथसाथ चलती है। कई मायनों में यही बात हर रिश्ते को खास बनाती है – एकदूसरे का साथ निभाने की क्षमता, छोटीछोटी बातों में खुशी ढूँढ लेना और सबसे साधारण पलों को भी खूबसूरत यादों में बदल देना। इस दिवाली, मैं उम्मीद करता हूँ कि हर घर अपनापन, हँसी और सकारात्मकता से भरा हो और हम सभी उन लोगों का जश्न मनाने की और वजहें खोजें जो हमारी ज़िंदगी को सार्थक बनाते हैं। सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

'धमाल विद पति पत्नी और पंगा – जोड़ियों का रियलिटी चेक' का हिस्सा अर्जुन बिजलानी ने कहा, 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा' के सेट पर दिवाली मनाना बहुत मज़ेदार होने वाला है। यह समृद्धि का स्वागत करने, आभार व्यक्त करने और उन आशीर्वादों का जश्न मनाने का समय है, जो हमारी ज़िंदगी को सार्थक बनाते हैं। हालाँकि कुछ नया खरीदना एक प्रिय परंपरा है, लेकिन मेरा मानना है कि असली संपत्ति हमारे परिवार का प्यार, दोस्तों का साथ और छोटीछोटी बातों में मिलने वाली खुशियों में होती है। मेरे लिए त्योहारों का यह मौसम हमारे रिश्तों को और मजबूत बनाने, खूबसूरत यादें बनाने और नई उम्मीद तथा सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने का भी समय है।

9.260 किलो पैंगोलिन शल्क और तेंदुए की एक खाल बरामद; तस्करी नेटवर्क की जांच जारी

पैंगोलिन के शल्क और तेंदुए की खाल के साथ 6 आरोपी पकड़े गए, रेड्डी और मल्लेपल्ली में वन विभाग की दबिश

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। जिले में वन्यजीवों के अवैध शिकार और उनके अंगों की तस्करी का मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने दो अलग-अलग गांवों में दबिश देकर पैंगोलिन के 9 किलो 260 ग्राम शल्क और तेंदुए की एक खाल बरामद की है। दोनों कार्रवाइयों में छह लोगों को पकड़ा गया है। बरामदगी के बाद विभाग अब वन्यजीवों के शिकार के स्रोत, संभावित खरीदारों और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटा है। वन विभाग की पहली कार्रवाई तहसील गंगालूर के ग्राम रेड्डी में की गई। यहां टीम ने दबिश देकर पैंगोलिन के 9.260 किलो शल्क बरामद किए। मामले में



चार लोगों को पकड़ा गया। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर विभागीय टीम ने दूसरी कार्रवाई तहसील आवापल्ली के ग्राम मल्लेपल्ली, बासागुड़ा में की। यहां से तेंदुए की एक खाल बरामद हुई और दो अन्य लोगों को पकड़ा गया। वन विभाग से मिली जानकारी अनुसार पैंगोलिन और तेंदुआ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-एक में शामिल संरक्षित प्रजातियां हैं। इनके शिकार, अंगों के संग्रहण और अवैध कारोबार पर कठोर दंड का प्रावधान है। दोनों मामलों में वन अपराध दर्ज कर संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

शिकार से लेकर खरीदारों तक कड़ियां जोड़ने में जुटा विभाग-दो अलग-अलग गांवों से वन्यजीवों के अंगों की बरामदगी के बाद विभाग अब इनके स्रोत का पता लगाने में जुटा है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इनका शिकार कहां किया गया और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर संभावित तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

रेड्डी-मल्लेपल्ली में दबिश, छह लोग पकड़ाए

रेड्डीः 9 किलो 260 ग्राम पैंगोलिन शल्क के साथ चार लोग पकड़े गए। * मल्लेपल्लीः तेंदुए की एक खाल के साथ दो लोग पकड़ाए।* बरामदगीः पैंगोलिन के शल्क और तेंदुए की खाल।* जांचः दोनों मामलों में वन अपराध दर्ज, तस्करी नेटवर्क की पड़ताल जारी।

सोना : समृद्धि के प्रतीक से पोर्टफोलियो की मजबूती के आधार तक

रायपुर। त्योहारी सीजन पास आते ही सोना स्वाभाविक रूप से चर्चा में आ जाता है। भारत में सोना कीमती धातु से कहीं बढ़कर है। यह हमारी परंपराओं, त्योहारों और समृद्धि की सोच में गहराई से रचा-बसा है। पीढ़ियों से परिवार खास मौकों को मनाने, अपनी बचत सहेजने और विरासत में सौंपने लायक वित्तीय संपत्ति बनाने के लिए सोना खरीदते आए हैं। एसबीआई म्यूचुअल फंड की ओर से निवेशक शिक्षा और जागरूकता पहल।

निवेशकों को केवल रजिस्टर्ड म्यूचुअल फंड के साथ लेन-देन करना चाहिए, जिनकी जानकारी सेबी की वेबसाइट (https://www.sebi.gov.in) पर Intermediaries/Market Infrastructure Institutions' सेक्शन में जाकर जांची जा सकती है। वन-टाइम केवायसी (अपने ग्राहक को जानें) पूरा करने और पता, फोन नंबर, बैंक विवरण आदि बदलने की प्रक्रिया के लिए कृपया म्यूचुअल फंड की वेबसाइट देखें। रजिस्टर्ड मध्यस्थों के जवाब से संतुष्ट न होने पर निवेशक उनके खिलाफ https://scores.sebi.gov.in/ पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। स्कोर्स (SCORES) पर आप सेबी के पास ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं और बाद में उसका स्टेटस भी देख सकते हैं। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे कोई भी निवेश निर्णय लेने से पहले किसी वित्तीय सलाहकार और/या टैक्स सलाहकार से परामर्श करें।

सुर्खियों से आगे की बात- हाल के वर्षों में सोने के मजबूत प्रदर्शन ने स्वाभाविक रूप से निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, 2025 में सोने ने वैश्विक स्तर पर 67.41 प्रतिशत का असाधारण रिटर्न दिया (रुपये में गिरावट की वजह से भारत में यह रिटर्न और ज्यादा रहा), और उस साल इसने शेयर बाजार को काफी पीछे छोड़ दिया। 20 साल की लंबी अवधि में भी सोने ने वैश्विक स्तर पर लगभग 11.29त्न के सीएजीआर से प्रतिस्पर्धी रिटर्न दिया है।1 पिछला प्रदर्शन भविष्य में बना रह भी सकता है और नहीं भी। निवेश का आकलन मौजूदा जोखिमों और बाजार की स्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। पोर्टफोलियो में सोने की भूमिका इससे भी बड़ी है। सोने की कीमतें तय करने वाले कारक इक्विटी और कई फिक्स्ड इनकम निवेशों से अलग होते हैं। इसकी कीमतों पर महंगाई की उम्मीदों, ब्याज दरों, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, वैश्विक निवेशकों के मिजाज और हाल के वर्षों की तरह केंद्रीय बैंकों की मांग का असर पड़ सकता है। इसलिए यह जरूरी नहीं कि इसका प्रदर्शन पारंपरिक वित्तीय एसेट्स के साथ एक ही दिशा में चले। यहीं पर डाइवर्सिफिकेशन काम आता है।

सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक संभागायुक्त सुनील जैन

■ धान खरीदी की तैयारियों और पारदर्शी संचालन पर जोर



बिलासपुर। सहकारिता विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आज देवकीनंदन सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल प्रांगण में सेवा सहकारी समितियों के प्रभारी अधिकारियों, प्रभारी प्रबंधकों एवं पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। बिलासपुर एवं मुंगेली जिले की 200 समितियों के प्रतिनिधियों की सहभागिता वाली इस कार्यशाला का शुभारंभ संभागायुक्त श्री सुनील जैन एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी के सुचारू संचालन, पैक्स कंप्यूटरीकरण तथा समितियों के बेहतर प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया। संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक तथा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने सहकारिता के ऐतिहासिक विकास का उल्लेख करते हुए समितियों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण की महत्ता बताई। उन्होंने आगामी धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा करते हुए समिति कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित करने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आगामी धान खरीदी व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए उपार्जन केंद्रों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए।

युवा संसद में एक राष्ट्र एक चुनाव पर युवाओं ने रखे अपने विचार....

■ अपने वोट को जानें' विषय पर हुआ युवा संवाद, अभय शुक्ला ने प्राप्त किया प्रथम स्थान



बिलासपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मेरा युवा भारत, बिलासपुर द्वारा 3 नवंबर को जेपी वर्मा महाविद्यालय में जिला स्तरीय 'विकसित भारत युवा संसद 2026-27' एवं 'विकसित भारत युवा संवाद' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माय भारत पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत जिले के युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। युवा संसद प्रतियोगिता में अभय शुक्ला ने प्रथम, प्रशंसा पांडे ने द्वितीय और राजलक्ष्मी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में 'अपने वोट को जानें' विषय पर युवा संवाद आयोजित किया गया। प्रतिभागियों ने मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक सहभागिता और नागरिकों की भूमिका पर विचार साझा किए। उपस्थित युवाओं एवं अतिथियों ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने की शपथ ली। इसके बाद युवा संसद में प्रतिभागियों ने 'एक राष्ट्रङ्कएक चुनाव' विषय पर अपने तर्क एवं विचार प्रस्तुत किए। मेरा युवा भारत के उपनिदेशक श्री नितिन कुमार शर्मा ने युवा संसद की संरचना एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश दुबे ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। युवा संवाद में यूथ आइकन के रूप में प्रशंसा पांडे तथा स्पोर्ट्स आइकन के रूप में यश कुमार एवं गजेंद्र ठाकुर ने युवाओं से संवाद किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रोफेसर राजेंद्र मेहता, पूर्व जिला युवा समन्वयक श्री राकेश शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक श्री मनोज सिन्हा, डॉ. कांति अंचल एवं श्रीमती माया यादव शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में श्री मोहनलाल सोनी ने आभार व्यक्त किया।आयोजन में माय भारत के स्वयंसेवक शारदा श्रीवास, हनी गुप्ता एवं अंबुज द्विवेदी ने सक्रिय सहयोग दिया। इस अवसर पर युवा प्रतिभागी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

इंडस टॉवर्स की नई पहल, छत्तीसगढ़ के जशपुर में डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देने के लिए लॉन्च की 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन'

जशपुरः इंडस टॉवर्स लिमिटेड, विश्व की एक सबसे बड़ी दूरसंचार अवसंरचना कंपनी, ने छत्तीसगढ़ के जशपुर में अपनी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन (DTV) की शुरुआत की है। यह पहल कंपनी के प्रमुख ष्टस्क्रकार्यक्रम 'सक्षम'के तहत चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण भारत में डिजिटल विभाजन को पाटना है।

छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर में आयोजित एक समारोह में DTV का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ श्री राधेश्याम राठिया (सांसद, रायगढ़), श्री प्रबलप्रताप सिंह (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा), श्रीमती रयमुनी भगत (विधायक, जशपुर), श्री सालिक साय (अध्यक्ष, जशपुर जिला पंचायत), श्री रोहित व्यास (IAS), कलेक्टर एवं जिलाधिकारी, जशपुर जिला, श्री लाल उमेद सिंह IPS (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जशपुर), श्री अभिषेक सिंह IAS (मुख्य कार्यकारी



अधिकारी ङ्क जिलापंचायत, जशपुर), श्री राजीव कुमार पांडे IAS (अतिरिक्त जिलाधिकारी, जशपुर), श्री भरत सिंह (जिलाअध्यक्ष, भाजपा) तथा इंडस टॉवर्स के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय विकास में इस पहल की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री, श्री विष्णु देव साय ने कहा, हम छत्तीसगढ़ के सबसे दूरस्थ क्षेत्रों तक डिजिटल क्रांति का लाभ पहुँचाना सुनिश्चित करना चाहते हैं। जशपुर में इंडस टॉवर्स की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन का शुभारंभ हमारे ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को महत्वपूर्ण डिजिटल कौशल से सशक्त बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इस पहलकी सहायता से प्रौद्योगिकी अधिक सुलभ बन पाएगी,साथ ही जमीनी स्तर पर डिजिटल साक्षरता, वित्तीय जागरूकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा भी मिलेगा।

श्री. राजनीश शर्मा, सर्कल CEO - MPCG, इंडस टॉवर्स लिमिटेड,ने कहा, इंडस टॉवर्स में, हमारा मानना है कि हमारी भूमिका केवल पैसिव अवसंरचना के निर्माण तक ही सीमित नहीं है। हम अपनेष्टस्क कार्यक्रम के तहत, 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन' के माध्यम सेभारत के दूरस्थ इलाकों के समुदायों तक उच्च-गुणवत्ता डिजिटल शिक्षण संसाधन पहुँचाते हैं। राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन की राह पर चलते हुए हमारा उद्देश्य क्षमता निर्माण करना, लोगों कोफ्यूचर-रेडी डिजिटल कौशल से सशक्त बनाना और एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान देना है, जिसमें हर कोई सक्रीय रूप से सहयोग करता हो। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन एक 21-सीटर, सौर-संचालित वाहन है, जो समुदायों को डिजिटल साक्षरता प्राप्त करने में मदद करता है। यह हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी, कंप्यूटर, प्रिंटिंग और स्कैनिंग सुविधाओं, और विशेष ई-लर्निंग सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है।

यह प्रोग्राम NIIT फाउंडेशन द्वारा क्रियान्वितहै,जिसमें DTV के ज़रिए डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन सुरक्षा वसाइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और इंटरनेट ऑफथिंग्स (IoT) के लिए प्रमाणन पाठ्यक्रमों के साथ-साथ समुदायों के लिए विशेष रूप से तैयार जागरूकता सत्र भी प्रदान किए जाते हैं।

मिस चारु कपूर, कंट्री डायरेक्टर, NIIT फाउंडेशन, ने कहा, ÷हमइंडस टॉवर्सके निरंतर सहयोग के लिए बेहद आभारी हैं, जिन्होंने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैनके कार्यान्वयन में हमेशा साथ दिया है। इस साझेदारी की मदद से हम हज़ारों लोगों को प्रशिक्षण दे पा रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक डिजिटली सशक्त समाज बनना है, और साथ मिलकर हम पूरे देश में सार्थक बदलाव लाने का काम जारी रखेंगे।

3 लाख का ओएचई कॉपर वायर,300 मीटर केटनरी वायर ले उड़े चोर

कोरबा। जिले में निर्माणाधीन परियोजनाओं और तकनीकी ढांचों से तार, केबल व उपकरण चोरी होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन नई रेलवे लाइन से करीब 3 लाख रुपये कीमत का 300 मीटर ओएचई कॉपर केटेनरी वायर चोरी होने का मामला दर्ज हुआ है। बांकीमोंगरा थाना में अभिषेक कुमार पंडित, साइट इंजीनियर जैन इंफ्राटेक लिमिटेड बिलासपुर, ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी गेवरा से पेंड्रा रोड जाने वाली नई रेलवे परियोजना में छुराकछार से घुड़देवा तक डबलिंग रेलवे लाइन पर ओएचई कॉपर वायर लगाने का काम कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 30 अक्टूबर की रात 12 बजे से 31 अक्टूबर की रात 2 बजे के बीच घुड़देवा रेलवे फाटक के पास अज्ञात लोगों ने रेलवे ट्रैक पर लगा करीब 300 मीटर केटेनरी वायर काटकर चोरी कर लिया। चोरी गए कॉपर वायर की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई है। घटना के समय सुरक्षा व्यवस्था के लिए गिरी लाल पटेल, गुलशन कुमार, अनिश कुमार, मनीष कुमार और मुस्ताक अंसारी ड्यूटी पर तैनात थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद कंपनी की ओर से पुलिस को लिखित आवेदन देकर अपराध दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

30 साल बाद न्यूयॉर्क में पहले बच्चे की मौत, टीकाकरण में गिरावट से बढ़ा खतरा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य के उत्तरी ग्रामीण इलाके में खसरे से संक्रमित एक बच्चे की मौत हो गई है। राज्य के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 30 साल में राज्य में खसरे से मौत का यह पहला मामला है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने बताया कि बच्चे की मौत सिरैक्यूज से करीब 93 150 किलोमीटर उत्तर में स्थित लुईस काउंटी में हुई। अमेरिका ने उच्च टीकाकरण दर बनाए रखकर 2000 में देश के भीतर खसरे के प्रसार को रोक दिया था। हाल के वर्षों में टीकाकरण की दर में गिरावट आई है और यह इस बीमारी के प्रकोप को रोकने के लिए जरूरी 95 प्रतिशत के स्तर से नीचे पहुंच गई है। डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता होचुल ने बच्चे की मौत पर दुख जताते हुए कहा, यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि जब वाशिंगटन जानबूझकर अमेरिकियों को ऐसी बीमारियों से बचाने की दशकों की प्रगति को कमजोर करता है तो कितना कुछ दांव पर लग जाता है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने इस साल अमेरिका में खसरे से संबंधित तीन मौतों की पुष्टि की है। विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य विभागों ने इससे अधिक मौतों की जानकारी दी है। पेनसिल्वेनिया के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस साल खसरे से पांच लोगों की मौत की सूचना दी है और छठी संभावित मौत की जांच कर रहे हैं। होचुल ने अक्टूबर की शुरुआत में पड़ोसी राज्यों और न्यूयॉर्क के ग्रामीण इलाकों में खसरे के मामले सामने आने के बाद आपातकालीन स्थिति घोषित की थी। इस आदेश के तहत खसरे का टीका लगाने के लिए अधिक लोगों को अधिकृत किया गया। इनमें पैरामेडिक्स, दाइयां और अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। इसके अलावा नर्सों को भी चिकित्सकों के साथ मिलकर जांच कराने के आदेश देने की अनुमति दी गई।

यूक्रेन में रूस का कहर: राहत केंद्र और शेल्टर पर बरसाए बम, 26 लोगों की मौत

मास्को, कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग में एक बार फिर आम नागरिकों को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। रूस ने सोमवार को दक्षिणी यूक्रेन के जापोरिज्जिया क्षेत्र के कोमिशुवाखा गांव में राहत सामग्री बांटने वाले केंद्र और उसके पास बने शेल्टर को निशाना बनाया। यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के मुताबिक, इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने इस इलाके पर 10 गाइडेड बम गिराए। उनके मुताबिक, जिस स्कूल की इमारत में लोगों को मानवीय सहायता दी जा रही थी, वह भी हमले की चपेट में आ गई। 'रूस को शांति नहीं, और खूनखराबा चाहिए' राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हमले की जानकारी देते हुए रूस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह हमला साफ दिखाता है कि रूस तनाव कम करने के मूड में नहीं है। जेलेंस्की के मुताबिक, एक समय ऐसा था जब दोनों देशों के बीच शांति की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद दिखाई दे रही थी, लेकिन इस हमले ने उन उम्मीदों को झटका दिया है। उन्होंने कहा कि रूस इन हत्याओं के जरिए दुनिया को यही संदेश दे रहा है कि वह युद्ध को और आगे बढ़ाना चाहता है। यह हमला ऐसे समय हुआ, जब यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन इलाके में लागू सीमित युद्धविराम सोमवार को खत्म हो गया। इस समझौते के तहत रूस और यूक्रेन ने अग्रिम मोर्चे के उन इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित निकालने की अनुमति दी थी, जहां हालात बेहद खराब हैं। इन इलाकों में रूसी कब्जे वाले क्षेत्र भी शामिल थे। इसके अलावा सोमवार को यूक्रेनी अधिकारियों ने रूस की ओर से कई ड्रोन हमले किए जाने की भी जानकारी दी। युद्ध के बीच रविवार देर रात यूक्रेन और सोमवार सुबह रूस में एक और परेशानी सामने आई। दोनों देशों के सरकारी इमरजेंसी अलर्ट ऐप हैक कर लिए गए। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर फर्जी चेतावनी संदेश भेजे गए। यूक्रेन में लोगों को परमाणु हमले, रेडिएशन का स्तर बढ़ने और रासायनिक खतरे जैसी चेतावनियां मिलीं। राजधानी कीव में अशांति फैलने की बात भी कही गई। ये संदेश अंग्रेजी, रूसी और यूक्रेनी भाषाओं में थे। अंग्रेजी संदेशों में कई वर्तनी और व्याकरण की गलतियां भी थीं। रूसी भाषा में भेजे गए एक संदेश में लिखा था, 'पूरे यूक्रेन में परमाणु खतरा मंडरा रहा है। घबराएं नहीं, ओरेश्निक आ रही है।' ओरेश्निक रूस की बैलिस्टिक मिसाइल है।

को-पायलट ने बॉयफ्रेंड को भेजा था आखिरी संदेश- विमान में झटके आ रहे हैं और बर्फ जम रही है

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में हुए भीषण विमान हादसे से पहले 20 वर्षीय महिला को-पायलट नथालिया गडेल्हा फिल्गुएरास ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से मदद की गुहार लगाई थी। हादसे से पहले की रेडियो रिकॉर्डिंग में उनकी आवाज सुनी जा सकती है। वह बार-बार 'मे डे, मे डे' कहकर मदद मांग रही थीं।

छोटा लीयरजेट विमान टेक्सास के ऑस्टिन से बहामास जा रहा था। इसी दौरान दक्षिण फ्लोरिडा में विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल से बातचीत में फिल्गुएरास ने बताया कि विमान पर बर्फ जम रही है। उस समय बाहर का तापमान माइनस 47 डिग्री सेल्सियस था। उन्होंने विमान में मध्यम स्तर के झटके आने की भी जानकारी दी। इन झटकों के कारण विमान करीब 700 फीट तक ऊपर-नीचे हो रहा था। कुछ ही देर बाद उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'मे डे, मे





डे!' इसके बाद उन्होंने बताया, 'हम 10,000 फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे जा रहे हैं!' उन्होंने आगे कहा, 'हम ओवरस्पीड की स्थिति में हैं और 20,000 फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं... हम जमीन से टकराने वाले हैं।' बाद में एडीएस-बी एक्सचेंज के फ्लाइट डेटा से पता चला कि हादसे से पहले लीयरजेट 60 विमान एक मिनट में 27,000 फीट नीचे गिर गया था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फिल्गुएरास ने 2023 में पायलट का लाइसेंस हासिल किया था। उस समय उनकी उम्र 17 साल थी और वह वेस्ट बोका रैटन कम्युनिटी हाई स्कूल में सीनियर छात्रा थीं। ब्राजील मूल के परिवार से ताल्लुक रखने वाली फिल्गुएरास का परिवार फ्लोरिडा में रहता है। पायलट लाइसेंस मिलने के बाद वह स्थानीय मीडिया में भी चर्चा में आई थीं, क्योंकि उन्होंने ड्राइविंग लाइसेंस मिलने से पहले ही निजी विमान उड़ाने का लाइसेंस हासिल कर लिया था। उनकी मां के मुताबिक, फिल्गुएरास पिछले नौ महीने से कमर्शियल पायलट के तौर पर काम कर रही थीं। उनकी मां कैमिला गडेल्हा कोर्टेलेटी ने सीएनएन ब्राजील से कहा, 'वह बहुत अच्छी लड़की थी। जिम्मेदार और मेहनती थी... वह को-पायलट थी और कोई फैसला लेने की स्थिति में नहीं थी।' फिल्गुएरास के पायलट लाइसेंस में जेट विमान उड़ाने की योग्यता दर्ज थी, लेकिन उन्हें उड़ान की कमान संभालने की अनुमति नहीं थी। उनके सौतेले पिता 44 वर्षीय थियागो कोर्टेलेटी ने द न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि फिल्गुएरास को विमान उड़ाने का 1,300 घंटे का अनुभव था।

एचआईवी से बचाव का सस्ता विकल्प बनी भारतीय जेनेरिक दवा, अमेरिका ने दी मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। एचआईवी संक्रमण से बचाव के लिए भारत में तैयार जेनेरिक इंजेक्शन लेनाकैपविर को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने मंजूरी दे दी है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बनाए इस इंजेक्शन को साल में सिर्फ दो बार लगवाना होगा। इसे 120 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में करीब 40 डॉलर (3,790 रुपये) सालाना कीमत पर उपलब्ध कराने की तैयारी है। मूल दवा निर्माता गिलियड साइंसेज ने कई जेनेरिक कंपनियों के साथ रॉयल्टी-मुक्त लाइसेंस समझौते किए हैं। उच्च जोखिम वाले लोगों पर हुए दो अध्ययनों में इस इंजेक्शन से नए एचआईवी संक्रमण लगभग खत्म होने के नतीजे सामने आए। यह रोजाना ली जाने वाली बचाव की गोलियों का सुविधाजनक विकल्प हो सकता है। हालांकि, इस्तेमाल से पहले एचआईवी जांच जरूरी होगी। गिलियड के मूल इंजेक्शन येजटुगो की सालाना कीमत करीब 28,218 डॉलर (24.5 लाख रुपये) है। ऐसे में भारतीय जेनेरिक संस्करण काफी सस्ता विकल्प साबित हो सकता है। मंदिर समिति ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को जीवनसाथी तलाशने में मदद के उद्देश्य से यह शिविर शुरू किया है। समिति के मुताबिक, आवेदनों की छंटनी के बाद योग्य जोड़ों के बीच संपर्क कराया जाएगा। 22 नवंबर के बाद हर रविवार को ऐसे शिविर लगाने की भी तैयारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, पिछले साल दुनिया में 4.1 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे और इससे संबंधित कारणों से 5.7 लाख लोगों की मौत हुई थी।



एवरेस्ट बेस कैंप पर आपस में टकराए हेलीकॉप्टर: भारतीय नागरिक की मौत; कैमरे में कैद हुआ खौफनाक मंजर

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हुए एक हादसे में दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। इस हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और एक भारतीय मूल का नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। नेपाल पुलिस के अधिकारी मौसम तमांग ने बताया कि हादसा एवरेस्ट बेस कैंप पर हुआ, जहां फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी कंपनियों के दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। पुलिस के अनुसार, नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार को लैंडिंग की कोशिश के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। पुलिस के बयान के मुताबिक, यह हादसा मंगलवार सुबह सोलुखुम्बु जिले की खुम्बू पासांग ल्हामू ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर चार में स्थित फेरेचे में हुआ। जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के हेलिकॉप्टर सुबह करीब 8:11 बजे (स्थानीय समय) लैंडिंग के दौरान आपस में टकरा गए।

पुलिस इंस्पेक्टर मौसम तामांग ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक की पहचान वसंत कुमार बलरामरामाडु के रूप में हुई है। वह फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार थे। इसी हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय मूल के 49 वर्षीय शैलेश कृष्ण पटेल भी हादसे में घायल हो गए। वह न्यूजीलैंड के निवासी हैं। तामांग के मुताबिक, उन्हें प्रभु हेलिकॉप्टर की मदद से एयरलिफ्ट कर काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे में नेपाली पायलट रवींद्र प्रजापति (फिशटेल एयर) और प्रज्वल केसी (एयर डायनेस्टी) भी घायल हुए हैं। दोनों को आगे के इलाज के लिए काठमांडू ले जाया गया है। फेरेचे, काठमांडू से करीब



150 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है और माउंट एवरेस्ट बेस कैंप जाने वाले रास्ते में पड़ता है।

पुलिस ने बताया कि वसंत कुमार बलरामरामाडु का शव लुकला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। हादसे के समय दोनों हेलिकॉप्टरों में कितने यात्री सवार थे, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटा रही है। नेपाल में पर्यटकों, पर्वतारोहियों और जरूरी सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए छोटे हेलिकॉप्टरों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। आपातकालीन स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए भी इनकी मदद ली जाती है। नेपाल का दुर्गम पहाड़ी इलाका और तेजी से बदलता मौसम हवाई परिचालन को काफी जोखिम भरा बना देता है।

महाशक्तियों का अखाड़ा न बने पश्चिम एशिया, चिनफिंग ने दिया ट्रंप को संदेश

बीजिंग, एजेंसी। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संभावित नए हमलों की चर्चाओं के बीच चीन ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रायटर के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल-सैद से मुलाकात के बाद कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र को बड़ी ताकतों की प्रतिद्वंद्विता का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए अरब देशों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता में चीन गारंटर की भूमिका में आ रहा है। ऐसे में चिनफिंग का बयान ट्रंप के लिए बड़ा संदेश माना जा रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शांति की पहल को आगे बढ़ाने के लिए चीन के विशेष दूत झाई जून इसी महीने ईरान, ओमान और सऊदी अरब का दौरा भी करेंगे। बता दें कि वर्ष 1978 में चीन और ओमान के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद किसी ओमानी राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली चीन यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, शी ने कहा कि दुनिया बड़े बदलावों के दौर से गुजर रही है और क्षेत्रीय शांति बनाए रखने के लिए सभी पक्षों को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने युद्ध रोकने और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का समाधान निकालने में चीन की भूमिका निभाने की इच्छा भी जताई। चीन और ओमान ने 20 बिंदुओं वाले संयुक्त बयान में होर्मुज स्ट्रेट से सामान्य और सुरक्षित आवाजाही बहाल करने की जरूरत पर सहमति जताई।



बाइनेंस क्रिप्टो चोरी मामला: एफबीआई ने उत्तर कोरिया का लिया नाम, भड़की किम जोंग की बहन

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस में हुई हालिया चोरी में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया। अमेरिका की ओर से इस घटना के पीछे उत्तर कोरियाई हैकरों का हाथ होने के दावे को उसने 'घटिया उकसावा' करार दिया। बाइनेंस ने शुक्रवार को बताया था कि हैकरों ने 6 अरब डॉलर से अधिक की क्रिप्टोकरेंसी चुरा ली है। इसे अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी चोरी माना जा रहा है। इसके बाद अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो ने कहा था कि इस चोरी को उत्तर कोरियाई हैकरों ने अंजाम दिया। इस हमले के लिए ट्रेडरट्रेटर नाम के हैकिंग समूह को जिम्मेदार ठहराया था। इसी समूह ने पिछले साल बायबिट एक्सचेंज से 1.5 अरब डॉलर की क्रिप्टोकरेंसी चुराई थी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को एफबीआई के बयान को 'घटिया उकसावा' और 'बेतुकी बयानबाजी' बताया। उन्होंने एक बयान में कहा, 'यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उत्तर कोरिया को लेकर गलतफहमी फैलाने की कोशिश की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध की घटनाएं होने पर अमेरिका बिना किसी ठोस आधार के उत्तर कोरिया को उनसे जोड़ देता है।' उत्तर कोरिया के आधिकारिक नाम डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने कहा, 'इस घटना से हमने एक बार फिर उत्तर कोरिया के प्रति वाशिंगटन के शत्रुतापूर्ण रवैये की पुष्टि की है। हम अपने देश के खिलाफ अमेरिका की लगातार जारी विभिन्न उकसावे वाली गतिविधियों पर करीब से नजर रख रहे हैं।' बाहरी विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए तेजी से क्रिप्टोकरेंसी चोरी और अन्य अवैध साइबर गतिविधियों का सहारा ले रहा है। इससे उसे अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था को संभालने और परमाणु कार्यक्रम के लिए धन जुटाने में मदद मिलती है। अमेरिका के नेतृत्व में लगाए गए कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और अन्य चुनौतियों के बीच उत्तर कोरिया के लिए विदेशी मुद्रा जुटाना मुश्किल हो गया है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने दिसंबर 2022 में अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरियाई हैकरों ने पिछले पांच वर्षों के दौरान क्रिप्टोकरेंसी और अन्य वर्चुअल संपत्तियों में 1.5 लाख करोड़ वॉन यानी 1.1 अरब डॉलर की चोरी की थी।

इंडियन नेवी ने कैसे नाकाम किए सोमालिया के समुद्री लुटेरों के इरादे, 20 लोगों को सुरक्षित बचाया

मोगादिशु, एजेंसी। भारतीय नौसेना ने सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास 48 घंटे से अधिक चले एक बड़े और संयुक्त अभियान में हाइजैक किए गए मछली पकड़ने वाले जहाज को सुरक्षित छुड़ा लिया है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, इस पूरे ऑपरेशन में नौसेना के युद्धपोत, समुद्री निगरानी विमान, मार्कोस और भारतीय वायुसेना के सी-17 विमान ने मिलकर कार्रवाई की। हथियारों से लैस समुद्री लुटेरों के खतरे को पूरी तरह खत्म करते हुए जहाज पर सवार सभी 20 बंधक क्रू मेंबर्स को बिना किसी नुकसान के सकुशल बचा लिया गया है। पिछले महीने हाइजैक हुआ था जहाज अजिनी मछली पकड़ने वाले जहाज अजिनी को पिछले महीने हथियारबंद समुद्री लुटेरों के एक गिरोह ने बंधक बना लिया था। इस घटना से हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई थीं। नौसेना के मुताबिक, लुटेरे इस जहाज को गहरे समुद्र में दूसरे व्यापारिक जहाजों पर हमले करने के लिए एक मदर शिप के रूप में इस्तेमाल कर सकते थे। अगर ऐसा होता, तो पूरे समुद्री व्यापार मार्ग के लिए बड़ा खतरा पैदा हो जाता। इसी खतरे को भांपते हुए नौसेना ने तुरंत मोर्चा संभाला। नौसेना और वायुसेना के तालमेल से सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

इस ऑपरेशन को कई चरणों में योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया। सबसे पहले, नौसेना ने समुद्र में तैनात अपने एक युद्धपोत और समुद्री टोही विमान को इस जहाज का पता लगाने के काम पर लगाया।

दोनों ने मिलकर लगातार निगरानी रखी,

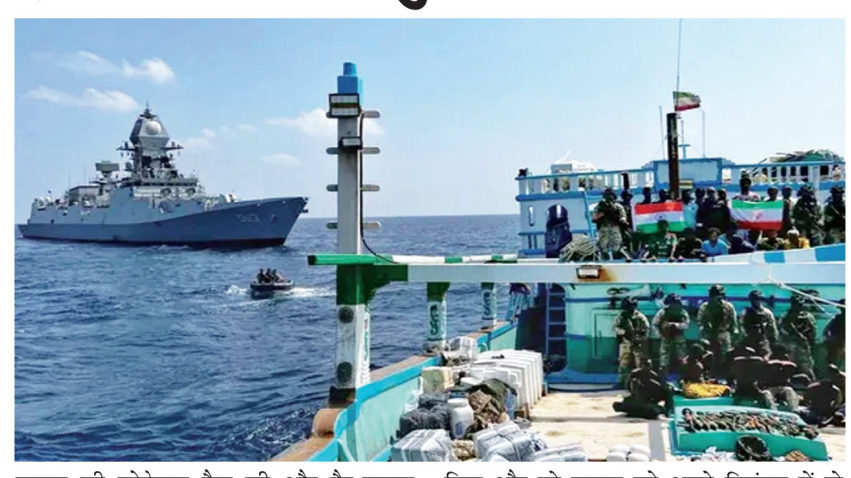

जहाज की लोकेशन ट्रैक की और गैर-घातक तरीकों का इस्तेमाल कर जहाज की आगे की गतिविधियों को रोक दिया ताकि लुटेरे भाग न सकें।

इसके बाद भारतीय वायुसेना के विशालकाय सी-17 विमान के जरिए मार्कोस कमांडो को सटीक एयरड्रॉप के जरिए सीधे ऑपरेशन वाले क्षेत्र में उतारा गया। नौसेना और वायुसेना के इस बेहतरीन तालमेल ने अभियान को निर्णायक बढ़त दिलाई।

48 घंटे चले मिशन में बिना किसी नुकसान के सफल रेस्क्यू: जहाज की घेराबंदी पूरी होने के बाद भारतीय नौसेना और मरीन कमांडोज ने बिजली की तेजी से टैक्टिकल हमला शुरू किया। कमांडोज ने हथियारों से लैस लुटेरों को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया और पूरे जहाज को अपने नियंत्रण में ले लिया। 48 घंटे से ज्यादा समय तक चले इस जटिल मिशन में किसी भी सदस्य को चोट नहीं आई और सभी 20 बंधक सुरक्षित छुड़ा लिए गए।

हिंद महासागर में भारत की प्रतिबद्धता

इस सफल बचाव अभियान पर भारतीय नौसेना ने कहा कि यह ऑपरेशन सेनाओं के बीच आपसी तालमेल और उच्च स्तर की तैयारी का पुख्ता प्रमाण है।

नौसेना ने जोर देकर कहा कि यह कार्रवाई हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उस अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत वह किसी भी संकट में फर्स्ट रिस्पॉन्डर और समुद्री सुरक्षा में पसंदीदा साझेदार की भूमिका निभाता है। भारत अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्गों को सुरक्षित रखने और नाविकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव: रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 3 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होने जा रहे हैं। इसे लेकर रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इन चुनावों में करीब 21 करोड़ रजिस्टर्ड मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। इनका फैसला तय करेगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी संसद में अपना बहुमत बरकरार रख पाती है या विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी को सत्ता के फैसलों में ज्यादा दखल देने का मौका मिलता है। ऐसे में सवाल है कि राष्ट्रपति चुनाव से अलग अमेरिका में मध्यावधि चुनाव क्यों होते हैं? इनमें किन पदों के लिए मतदान किया जाता है और इनका नतीजा राष्ट्रपति की ताकत को किस तरह प्रभावित करता है? इस बार रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए ये चुनाव इतने अहम क्यों हैं? चुनाव में किन-किन चीजों और मुद्दों की चर्चा तेज है? इस बार के चुनाव में कितना दान दिया गया? पिछले चुनाव के क्या नतीजे रहे हैं? अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव हर चार साल में आयोजित किया जाता है। दूसरी तरफ राष्ट्रपति के कार्यकाल के ठीक आधे रास्ते यानी दो वर्ष बाद भी चुनाव कराए जाते हैं, जिन्हें मध्यावधि चुनाव कहा जाता है।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचला सदन): इसके सभी 435 सदस्यों का कार्यकाल केवल दो साल का होता है। इसलिए, राष्ट्रपति चुनाव के साथ-साथ राष्ट्रपति के कार्यकाल के बीच में भी सभी सीटों पर फिर से चुनाव होते हैं। सीनेट (उच्च सदन): 100 सीट वाली सीनेट में सांसदों (सीनेटरों) का कार्यकाल छह वर्ष का होता है, लेकिन इनके चुनाव चरणबद्ध होते हैं। हर दो साल में सीनेट की लगभग एक-तिहाई सीटों- 35 पर चुनाव कराए जाते हैं। यानी 35 सीटों पर अभी और 35 सीटों पर राष्ट्रपति चुनाव के साथ। गवर्नर और स्थानीय चुनाव: अमेरिकी संसद के अलावा अमेरिका के 50 राज्यों में से 36 राज्यों में गवर्नर, राज्य विधायिकाओं और स्थानीय स्तर के पदाधिकारियों का चुनाव भी मध्यावधि चुनाव का हिस्सा होते हैं।

अमेरिकी व्यवस्था में संसद (कांग्रेस) देश के लिए कानून बनाती है, संघीय बजट और खर्च को नियंत्रित करती है और राष्ट्रपति की कार्यशैली पर निगरानी रखती है। मध्यावधि चुनाव जनता को यह मौका देते हैं कि वे तय करें कि संसद के किस सदन पर किस राजनीतिक दल का बहुमत रहेगा। इससे यह निर्धारित होता है कि राष्ट्रपति के पास अपने बचे हुए दो वर्षों के कार्यकाल में नीतियां, कानून और बजट पास कराने की कितनी स्वतंत्रता या चुनौती होगी। अगर विपक्षी दल किसी भी सदन में बहुमत हासिल कर लेता है, तो वह राष्ट्रपति के विधायी एजेंडे को बाधित कर सकता है और प्रशासन की जांच शुरू कर सकता है। मध्यावधि चुनाव को सत्तारूढ़ राष्ट्रपति के शुरुआती दो वर्षों के कामकाज



और नीतियों पर जनता का एक जनमत संग्रह भी माना जाता है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए चुनाव में क्या दांव पर?

रिपब्लिकन पार्टी को दो साल पहले न सिर्फ राष्ट्रपति चुनाव में जीत मिली थी, बल्कि संसद के दोनों सदनों- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट में भी मामूली बहुमत मिल गया था। चूंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (कार्यकारिणी) के फैसलों को संसद (विधायिका) से मंजूरी की जरूरत होती है, इसलिए रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत ट्रंप के निर्णयों को लागू करने में अहम साबित हो रहा था। अगर रिपब्लिकन पार्टी किसी भी एक सदन में बहुमत खो देती है, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के घरेलू विधायी एजेंडे, आर्थिक नीतियों और बजट प्रस्तावों पर ब्रेक लग सकता है। संसद पर नियंत्रण रहने की वजह से रिपब्लिकन ट्रंप प्रशासन के खिलाफ डेमोक्रेट्स की ओर से संसदीय जांचों, समन और महाभियोग की कोशिशों को रोक सकती है। सीनेट में बहुमत से रिपब्लिकन पार्टी राष्ट्रपति की ओर से नामित संघीय जजों, सुप्रीम कोर्ट के जजों, कैबिनेट मंत्रियों और राजदूतों की नियुक्ति आसानी से करा सकती है। कम से कम तीन सीटों और सीनेट में चार सीटों की बढ़त की जरूरत है। किसी भी एक सदन पर नियंत्रण मिलने से डेमोक्रेट्स के पास राष्ट्रपति ट्रंप के कानूनों और बजटीय आवंटन को रोकने की सीधी शक्ति आ जाएगी। समितियों का नियंत्रण मिलने पर डेमोक्रेट्स के पास ट्रंप प्रशासन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों और सरकारी नीतियों की गहन जांच करने, गवाहों को बुलाने और दस्तावेज तलब करने का कानूनी अधिकार आ जाएगा। सिर्फ हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के पास राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने का अधिकार होता है, जो डेमोक्रेटिक पार्टी को सदन में बहुमत मिलने पर ही मुमकिन हो सकता है।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमट गई। हालांकि, टारगेट रिवाइज किया गया और भारत को 32 ओवर में 143 रन बनाने थे। भारत ने यह लक्ष्य 22.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत पांच विकेट से जीता

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमटी थी - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य - जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया। हालांकि, बारिश रुकी और मैच 40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया।

आईपीएल 2027:

13 करोड़ के सनराइजर्स के इस ऑलराउंडर को शामिल करने की तैयारी में चेन्नई?



चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के 13 करोड़ रुपये के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन पर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन सनराइजर्स ने अभी फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की ट्रेड रेस में पंजाब किंग्स आगे बताई जा रही है। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की ट्रेडिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की टीम इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी तक इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स लियाम लिविंगस्टोन को अपनी टीम में शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पूरे सीजन में केवल दो मुकाबले खेले और 15 रन बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाकी सीजन में प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प में भी जगह नहीं मिली।

शूटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का शानदार प्रदर्शन

- पुरुष टीम ने जीता गोल्ड, महिला टीम को सिल्वर मेडल



नई दिल्ली, एजेंसी। दोहा में आईएसएसएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में एक और गोल्ड और सिल्वर मेडल डाल दिया। मंगलवार तीन नवंबर 2026 को पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में रविंदर सिंह, सौरभ चौधरी और अमनप्रीत सिंह की तिकड़ी ने गोल्ड मेडल जीता। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में एलावेनिल वालारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और शांभवी श्रवण क्षीरसागर ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। एलावेनिल वालारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और शांभवी श्रवण क्षीरसागर ने कुल 1894.4 अंक हासिल किये। भारतीय टीम दूसरे स्थान पर रही। चीन ने 1899.8 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। जापान को 1892.6 अंकों के साथ ब्रॉन्ज मेडल मिला। एलावेनिल वालारिवन भारतीय टीम की सबसे सफल निशानेबाज रहीं। एलावेनिल वालारिवन ने 634.2 अंक हासिल किये। सोनम उत्तम मस्कर ने 630.5 और शांभवी क्षीरसागर ने 629.7 अंक का योगदान दिया।

पुरुषों 50 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में भारत को गोल्ड

इससे पहले रविंदर सिंह, सौरभ चौधरी और अमनप्रीत सिंह ने पुरुष 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। इस स्पर्धा में रविंदर सिंह ने व्यक्तिगत सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया। यह स्पर्धा ओलंपिक का हिस्सा नहीं है। रविंदर भारत की ओर से सबसे ज्यादा अंक हासिल करने वाले निशानेबाज रहे।

नोवाक जोकोविच की शानदार वापसी

पहले दौर में वैलेंटीन वैचेरोट को हराया

पेरिस, एजेंसी। रिकॉर्ड सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार वापसी करते हुए पहले दौर का मुकाबला जीत लिया। खराब शुरुआत के बावजूद दुनिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने वैलेंटीन वैचेरोट को तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-7 (5), 7-5, 6-1 से हराया।



जोकोविच ने शानदार वापसी कर दर्ज की जीत

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को मुकाबले के पहले सेट में हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, उन्होंने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबले को 7-5 से अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक सेट में जोकोविच ने पूरी तरह दबदबा बनाया और 6-1 से जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। जोकोविच अपने करियर का 103वां खिताब जीतने की कोशिश में हैं। इस उपलब्धि के साथ वह रोजर फेडरर के 103 खिताबों के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। पुरुष टेनिस में सबसे ज्यादा 109 खिताब जीतने का रिकॉर्ड जिमी कॉनर्स के नाम है।

बेन शेल्टन और टेलर फ्रिट्ज ने भी दर्ज की जीत

टूर्नामेंट में तीसरी वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने कैमरन नॉरी को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।वहीं, 11वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने बेंजामिन बोंजी को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर जीत हासिल की।

होल्गर रूने और मोइज़ कौमे को मिली हार

अन्य मुकाबलों में फ्रांस के मोइज़ कौमे को नूनो बोर्गेस ने 6-3, 6-1 से हराया। वहीं, 2022 के चैंपियन होल्गर रूने को 12वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल के खिलाफ 5-7, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह पेरिस मास्टर्स में जोकोविच की जीत के साथ टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी है।

एलेक्जेंड्रा एला, सोराना क्रिस्टिया और तालिया गिब्सन अगले दौर में पहुंचीं



हांगकांग, एजेंसी। प्रूडेंशियल हांगकांग ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट में, मंगलवार शाम को दूसरी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंड्रा एला ने ब्रिटिश खिलाड़ी इमर्सन जोन्स को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से मात देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त सोराना क्रिस्टिया और पांचवीं वरीयता प्राप्त तालिया गिब्सन भी अगले दौर में पहुंच गईं, जबकि 7वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

एला ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। अमेरिकी खिलाड़ी एलिसिया पार्क्स के टूर्नामेंट से हटने के बाद मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाली जोन्स ने वापसी करते हुए स्कोर 4-3 कर दिया, लेकिन एला ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहला सेट 6-4 से जीत लिया। इस हफ्ते डब्ल्यूटीए रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंक हासिल करने वाली फिलीपींस की एला ने दूसरे सेट में भी मजबूत शुरुआत की और 5-1 की बढ़त बना ली। जोन्स ने एक ब्रेक वापस लिया, लेकिन एला ने संयम बनाए रखा और एक घंटे 23 मिनट में 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की।

अगले दौर में एला का मुकाबला चेक गणराज्य की युवा खिलाड़ी टेरेजा वैलेंटोवा से होगा, जिन्होंने मंगलवार को खेले गए एक अन्य पहले दौर के मैच में क्वालीफायर हिमेनो साकात्सुमे को 6-3, 7-5 से शिकस्त दी।

इससे पहले, शीर्ष वरीयता प्राप्त सोराना क्रिस्टिया ने निर्णायक सेट में शुरुआती पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मारिया टिमोफीवा को 7-6, 1-6, 7-5 से हराया और दूसरे दौर में जगह बनाई। क्रिस्टिया का अगला मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी मैरी स्टोइयाना से होगा, जिन्होंने सोमवार को सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को सीधे सेटों में हराया था। इसके अलावा, माया जॉइंट भी अगले दौर में पहुंच गईं; जिन्होंने मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ एक ऑल-ऑस्ट्रेलियन मुकाबले में 7-5, 6-2 से जीत हासिल की। वहीं, जेनेप सोनमेज ने डायना यास्त्रेम्स्का को 6-4, 6-2 से हराया।

तालिया गिब्सन ने की वापसी

वहीं, पांचवीं वरीयता प्राप्त तालिया गिब्सन ने पहले सेट में 5-3 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ओलेक्सांड्रा ओलिनिकोवा को 7-6, 6-1 से मात दी। हालांकि, 7वीं वरीयता प्राप्त ल्यूडमिला सैमसोनोवा को पहले ही दौर में एलेक्जेंड्रा शुबलाद्जे के हाथों 7-5, 1-6, 2-6 से जीत दर्ज की और दूसरे दौर में जगह बनाई।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रचा इतिहास

पहली बार दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी बने

लंदन, एजेंसी। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आखिरकार वह मुकाम हासिल कर लिया है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। सोमवार को जारी हुई पुरुष टेनिस रैंकिंग में ज्वेरेव पहली बार दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी बन गए। 29 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाले ज्वेरेव इस सीजन में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने साल 2026 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किए और अब सीजन का अंत भी नंबर-1 खिलाड़ी के रूप में करना तय कर लिया है।

रणजी ट्रॉफी में बड़ा बवाल

मैच से पहले पूरी टीम बदल दी गई, मैदान पर जाने के बाद लौटे खिलाड़ी



एमसीए में अध्यक्ष और सचिव के बीच विवाद

इस पूरे विवाद की जड़ एमसीए अध्यक्ष जेम्स संगमा और सचिव रेनॉल्ड खार्कमनी के बीच चल रही खींचतान है। खार्कमनी को राज्य की अंडर-23 महिला टीम की खिलाड़ियों से जुड़े यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया था। इस निलंबन को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मेघालय हाई कोर्ट ने कार्रवाई को बरकरार रखा। कोर्ट ने खार्कमनी के फैसलों को अवैध माना और एमसीए की एपेक्स काउंसिल की चुनी गई रणजी टीम को भी

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन के अंदर चल रही खींचतान के कारण बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नागालैंड के खिलाफ प्लेट डिवीजन के मुकाबले से ठीक पहले पूरी टीम को बदल दिया गया। मेघालय की पुरानी टीम ने शुरुआती तीन मुकाबले खेले थे और एक मैच में जीत हासिल कर पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर थी। खिलाड़ी चौथे मैच से पहले अभ्यास भी कर रहे थे, लेकिन मेघालय हाई कोर्ट के फैसले के बाद एमसीए अध्यक्ष जेम्स संगमा ने नई टीम का चयन कर दिया।

आईसीसी रैंकिंग: टेस्ट में स्टार्क फिर बने नंबर-1, टी20 में अय्यर 7वें पायदान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए।

साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली। इस प्रदर्शन के दम पर यह ऑफ-स्पिनर नौ स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी कगिसो रबाडा से एक स्थान आगे हैं।



टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप स्थान गंवाने के बावजूद, जानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। ??इस सूची में वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्मर तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एडेन मार्करम एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि मुल्डर सात स्थान की बढ़त के साथ 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों में ryan रिकेल्टन ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है; वह 25 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वे क्रमशः तीन और दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर आ गए हैं। मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत के बाद, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स 12 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। वारिकन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोस्टन चेस ऑलराउंडरों की सूची में संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, पाकिस्तान में खेली गई ट्राई-सीरीज के समापन के बाद, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि रऊफ पांच स्थान की बढ़त के साथ 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तानी ओपनर फखर जमां वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर पहुंचे, जबकि श्रीलंका के पवन रत्नायके ने 20 स्थानों की शानदार छलांग लगाई है और वे 16वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सीरीज जीत के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी सूची में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी 13 स्थान ऊपर चढ़कर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 24वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजों में, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी जैकब डफी ने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी अपनी स्थिति बेहतर की है। यूएई में जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का प्रदर्शन करने के बाद, वे टी20 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

क्षेत्र के युवाओं को लगा गांजे का लत, ग्रामीणों इलाकों के ग्रामीणों में नशेड़ियों का दहशत

जैजैपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुटराबोड़ बना गजेड़ियों का अड्डा।

मूक पत्रिका



सक्ती/ जैजैपुरः- जिले के जैजैपुर थाने क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब से लेकर अवैध गंजा मादक पदार्थों के कारोबार करने वालों के प्रति कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिल रहा है। जैजैपुर थाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाक़े में इन दिनों अवैध कच्ची महुवा शराब से लेकर देशी विदेशी मदिराओं और गाँजे का कारोबार बेख़ौफ़ अपने चरम पर है। ग्रामीण इलाकों में शाम ढलते ही चौक चौराहो पर नशेढ़ियों का जमावड़ा लगता रहता हैं।कई गावों में गंजेड़ी-नसेड़ियों से ग्रामीण भयभीत नजर आ रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में अवैध शराब-गांजा कारोबारियों के हौसले इतने बुलंद हैं स्थानीय पुलिस प्रशासन का उनके जहन में जरा सा भी डर नजर नहीं आरहा। अवैध नशे के कारोबारियों को इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में देख कर ऐसा लग रहा है मानाओं जिम्मेदारों ने खुला छूट दे रखा हो। ताजूब की बात ये है की आये दिन पुलिस वाहन 112 के गश्ती के बाद इन कारोबारियों के ऊपर करवाई ना हो पाना पुलिस प्रशासन के कार्यशैयों पर भी सवाल खड़े कर रहा है। वर्षों से चले आ रहे गाँजे के कोचियों पर लगाम लगाने में जिम्मेदार नाकाम। बता दे कुटराबोड गांव में लंबे समय से अवैध गांजे का व्यापार किया जाता आ रहा है जहाँ अब तक अवैध गाँजे के कोचिया के ऊपर कोई सक्त कार्यवाही स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा देखने को नहीं मिल रहा है जिसके कारण अवैध कारोबारी अपने मंसूबों पर जमे हुए है। मिले सूत्रों के मुताबिक कुटराबोड़ में आस पास लगभग 10 गांव के सभी बूढ़े बुजुर्ग से लेकर नव युवा गांजा खरदीने और पीने जाते है। ग्रामीणों के मुताबिक़ गजेड़ियों का कोई समय सरणीय नहीं होता दिन हो या रात हर समय जमावड़ लगा रहता है जिसमे ख़ास कर नव युवाओं का तादात अधिक बताया जा रहा है। वहीं शाम ढलते ही गांव के लोगों के चौक चौराहो में बाहरी युवकों का झुंड नशा सेवन करते रहने का बात ग्रामीणों ने बताइए। ग्रामीणों के घर के बाहर या चौक चौराहों पर कई बार नशा करने पर गांव के प्रतिष्ठित लोगों के द्वारा मनाही करने पर नशे में धुत नशेड़ियों द्वारा मारपीट और गाली गलौज जैसे विवाद की स्थति उत्पन्न होने की जानकारी गांव के लोगों से मिली। जिससे ग्रामीणों मेंभय का माहौल निर्मित होने लगा है। रात के अंधेरे में लोग घर से निकले में असहज महसूस करते नजर रहे है। तो वही नव युवक बेख़ौफ़बिक रहे अवैध शराब-गांजे का लत होकर अपने भविष्य से वंचित होकर आर्थिक तंगी का शिकार हो रहे है। गांव गांव में बिक रहे शराब गांजे को लेकर ग्रामीणों ने गहरी चिंता व्यक्त कर रहे अपने बच्चेओं का भविष्य को लेकर बेहद चिंतित नजर आ रहे। अब ऐसे में गांव के लोगों ने स्थानीय प्रशासन पर सक्त कार्रवाई की आश लगाये हुए है। अब देखना ये होगा की खबर मीडिया में आने के बाद जिम्मेदार अधिकारी क्या कार्यवाही करेंगे। ग्रामीणों की समस्या गंभीरता दिखायेगा?

कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या, आरोपी को 2 बार आजीवन कारावास

निरीक्षक पारस पटेल की विवेचना और पुख्ता साक्ष्यों से साबित हुआ अपराध, 19 गवाहों व वैज्ञानिक साक्ष्यों ने मजबूत किया मामला

मूक पत्रिका



जांजगीर-चांपा। जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भठ्ठली में कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने के सनसनीखेज मामले में न्यायालय ने आरोपी को दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल की प्रभावी विवेचना और पुख्ता साक्ष्य संकलन को महत्वपूर्ण माना गया।पुलिस के अनुसार शराब बिक्री को लेकर सुंदरलाल कुर्रे से विवाद के चलते आरोपी ने 6 मार्च 2025 को देशी शराब की शीशी में कीटनाशक मिलाकर सुंदरलाल के घर पहुंचाई थी। सुंदरलाल के शराब पीने से मना करने पर वहां मौजूद सीताराम लहरे एवं रोहित कुमार तेंदुलकर ने शराब पी ली।

इसके बाद दोनों की तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल ने की। जांच के दौरान कीटनाशक का डिब्बा, एफएसएल रिपोर्ट सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए। अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय में 19 गवाहों एवं वैज्ञानिक व परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में अपराध प्रमाणित होने पर आरोपी को दोहरे हत्याकांड में दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। जांजगीर-चांपा पुलिस ने इसे प्रभावी विवेचना और मजबूत साक्ष्य संकलन की महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

कैट चांपा ने व्यापारियों को बांटे दीप, दी दीपावली की शुभकामनाएं

दीपावली पर्व से पहले सदर बाजार में आयोजित कार्यक्रम में व्यापारियों ने लिया हिस्सा

मूक पत्रिका



चांपा। दीपावली पर्व के अवसर पर कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) इकाई चांपा द्वारा दीप वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरुवार को सदर बाजार स्थित मुरारका कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों को दीप वितरित कर दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।कैट इकाई चांपा के इस आयोजन में अध्यक्ष राजन गुप्ता सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अनिल मनवानी, राम खूबवानी, मनोज धामेचा, अशोक चौधरी, अनिल गुप्ता, गब्बर गुरनानी सहित कैट के सदस्यों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने दीपावली पर्व को आपसी भाईचारे, खुशहाली और उल्लास के साथ मनाने का संदेश दिया। कैट द्वारा किए गए दीप वितरण कार्यक्रम को व्यापारियों ने भी सराहा। कार्यक्रम के माध्यम से संगठन ने सभी व्यापारी बंधुओं एवं क्षेत्रवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

न्यायालय ने निरस्त की तीन कर्मचारियों की बर्खास्तगी, सेवा बहाली का आदेश

पंजीयक सहकारी संस्थाएं न्यायालय ने माना अनुचित, एक माह से अधिक चली सुनवाई के बाद आया फैसला

मूक पत्रिका



जांजगीर-चांपा। प्राथमिक कृषि साख समिति मर्यादित पोंडी दलहा क्रमांक 504 में तीन कर्मचारियों की बर्खास्तगी का मामला अब नया मोड़ ले चुका है। न्यायालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जांजगीर-चांपा ने समिति के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई बर्खास्तगी की कार्रवाई को निरस्त करते हुए तीनों कर्मचारियों की सेवा बहाल करने का आदेश जारी किया है। न्यायालय के इस फैसले से लंबे समय से अपनी सेवा बहाली की मांग कर रहे कर्मचारियों को राहत मिली है।प्राप्त जानकारी के अनुसार अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत पोंडी दलहा में संचालित प्राथमिक कृषि साख समिति का चुनाव किसानों के बीच नहीं कराया गया है, बल्कि शासन स्तर से प्राधिकृत अधिकारी की नियुक्ति कर संस्था के कामकाज का संचालन कराया जा रहा है। इसी दौरान प्राधिकृत अधिकारी ने गत 25 अगस्त एवं 11 सितंबर को संस्था में कार्यरत तीन कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया था।बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में संस्था के प्रबंधक भारतेंदु सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर अजय श्रीवास एवं चौकीदार हर प्रसाद निर्मलकर शामिल थे। प्राधिकृत अधिकारी ने तीनों कर्मचारियों पर बिना सूचना दिए संस्था से अनुपस्थित रहने का आरोप लगाते हुए यह कार्रवाई की थी।इस कार्रवाई के विरुद्ध तीनों कर्मचारियों ने न्यायालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जांजगीर-चांपा में याचिका प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाई थी। मामले में एक माह से अधिक समय तक चली सुनवाई के दौरान सक्षम पीठासीन अधिकारी श्रीमती मंजू पांडे ने दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत वाद एवं प्रतिवाद को सुनने के साथ उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। इसके बाद न्यायालय ने 2 नवंबर को अपना आदेश पारित करते हुए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा की गई बर्खास्तगी की कार्रवाई को निरस्त कर तीनों कर्मचारियों की सेवा बहाल करने का निर्देश दिया। न्यायालय के इस आदेश के बाद समिति में कर्मचारियों की सेवा बहाली को लेकर रास्ता साफ हो गया है।

15 नवंबर से 15 जनवरी 2027 तक होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी,10 नवंबर से किसान जारी करा सकेंगे टोकन, तुंहर टोकन मोबाइल ऐप से घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की मिलेगी सुविधा

तीन नवीन धान उपार्जन केंद्र सहित इस बार 129 उपार्जन केंद्रों में होगी धान खरीदी

मूक पत्रिका



सक्ती:- शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अवधि 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक निर्धारित की गई है। धान खरीदी प्रारंभ होने के 5 दिन पूर्व अर्थात 10 नवंबर से किसानों को टोकन जारी किए जाएंगे। किसान अपनी सुविधा अनुसार आगामी दो महीने के किसी भी दिन का टोकन प्राप्त कर सकेंगे। जिले की 96 सहकारी समितियों के अंतर्गत कुल 129 धान उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा जिले में 03 नवीन धान उपार्जन केंद्र भी प्रारंभ किए गए हैं तथा सभी 129 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी संबंधी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। इस वर्ष शासन द्वारा धान कॉमन का समर्थन मूल्य 2441 रुपए प्रति क्विंटल एवं धान ग्रेड-ए का समर्थन मूल्य 2461 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। प्रति एकड़ धान खरीदी की अधिकतम सीमा 21 क्विंटल लिंकिंग सहित निर्धारित की गई है। किसानों को समिति में टोकन प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों से राहत दिलाने एवं समय की बचत के उद्देश्य से इस वर्ष भी तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पंजीकृत किसान गूगल प्ले स्टोर से अपने मोबाइल में ऐप डाउनलोड कर घर बैठे टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए किसानों को सर्वप्रथम ओटीपी आधारित पंजीयन करना होगा। शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रतिदिन की खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से तथा 30 प्रतिशत टोकन संबंधित समिति के माध्यम से जारी किए जाएंगे। ऑनलाइन टोकन की निर्धारित 70 प्रतिशत सीमा में से 80 प्रतिशत टोकन लघु एवं सीमांत किसानों तथा 20 प्रतिशत टोकन बड़े किसानों के लिए निर्धारित किए गए हैं। टोकन व्यवस्था के तहत 2 एकड़ तक वाले लघु किसानों को 1 टोकन, 2 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक वाले सीमांत किसानों को 2 टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले बड़े किसानों को 3 टोकन जारी करने का प्रावधान किया गया है। किसान पूर्व की भांति धान की मात्रा स्वयं दर्ज कर टोकन प्राप्त कर सकेंगे। धान की खरीदी बायोमेट्रिक आधारित प्रणाली से की जाएगी। किसानों को टोकन प्राप्त करने अथवा धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1800-233-3663 पर संपर्क कर आवश्यक जानकारी एवं सहायता प्राप्त की जा सकती है। शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि किसान निर्धारित अवधि में सुगमता से अपना धान समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकें।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की किसानों से अपील - 'ग्रीष्मकालीन धान छोड़े, भूजल बचाएं'

मूक पत्रिका



बेमेतरा, 04 नवंबर 2026। जिले में जल संरक्षण को लेकर प्रशासन ने बड़ा अभियान शुरू किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिले के सभी किसान भाइयों से अपील की है कि आगामी ग्रीष्मकालीन सीजन में धान की खेती न करें। कलेक्टर ने अपील करते हुए कहा कि बेमेतरा जिला जल संकट की दृष्टि से वाटर क्रिटिकल जिला के रूप में चिन्हित है। भूजल स्तर लगातार गिर रहा था, जिसे लेकर पिछले वर्ष प्रशासन और किसानों ने मिलकर एक अनूठा प्रयोग किया था। किसानों ने स्वेच्छा से ग्रीष्मकालीन धान (Summer Paddy) न लगाने का संकल्प लिया था और उसके स्थान पर कम पानी वाली फसलें जैसे चना, गेहूं और सरसों की खेती की थी। इस सामूहिक प्रयास का असर जमीन पर दिखा है। कलेक्टर ने बताया कि इस पहल के कारण जिले के तीनों विकासखंड - बेमेतरा, बेरला और साजा वाटर क्रिटिकल श्रेणी से निकलकर सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में आ गए हैं। यह जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। इसी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए इस वर्ष भी जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन ग्राम सभाओं में किसानों को जल संरक्षण का महत्व समझाया जा रहा है और उनसे ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को अपनाने का संकल्प लिया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा, ÷धान में सबसे ज्यादा पानी लगता है। अगर हम गर्मी में भी धान लगाएंगे तो हमारा भूजल स्तर फिर से नीचे चला जाएगा। चना, गेहूं, सरसों जैसी फसलें कम पानी में अच्छी पैदावार देती हैं और जमीन की उर्वरा शक्ति भी बनाए रखती हैं।÷कलेक्टर ने सभी किसानों से सहयोग की अपील करते हुए कहा - ÷पानी बचाएं, भविष्य सुरक्षित बनाएं।÷ प्रशासन ने किसानों को वैकल्पिक फसलों के लिए बीज, तकनीकी सलाह और शासन की योजनाओं का लाभ देने का भी आश्वासन दिया है।

बाजारों, सराफा दुकानों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में कड़ी निगरानी, चौक-चौराहों पर तैनात रहेगा पुलिस बल

धनतेरस और दीपावली पर अलर्ट मोड में जांजगीर-चांपा पुलिस

मूक पत्रिका



जांजगीर-चांपा। धनतेरस एवं दीपावली पर्व को लेकर जांजगीर-चांपा पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। पर्व के दौरान जिले में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 6 नवंबर को धनतेरस एवं 8 नवंबर को दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में खरीदी-बिक्री और लोगों की आवाजाही बढ़ने की संभावना को देखते हुए विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों, सराफा दुकानों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में फिक्स पॉइंट बनाकर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। साथ ही पेट्रोलिंग टीमें लगातार भ्रमण कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगी। पुलिस द्वारा चोरी, उठाईगिरी और जेबकतरी जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। जांजगीर-चांपा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि खरीदारी के दौरान अपने सामान और वाहनों की सुरक्षा का ध्यान रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाना, पुलिस कंट्रोल रूम जांजगीर के मोबाइल नंबर 9479193199 अथवा डायल 112 पर दें। पुलिस ने कहा है कि आम नागरिकों की सुरक्षा और शांतिपूर्ण पर्व आयोजन के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।